DOLICHOS - PACKAGE OF PRACTICES

Congratulations! You have chosen one of the finest Dolichos Beans seeds from the Crystal family. Crystal has solid experience in producing high-quality Dolichos Beans seeds. These seeds are the result of extensive research, aimed at developing high-yielding hybrid crops suitable for diverse agricultural climates. Crystal adopts the latest technologies during seed production to ensure that farmers receive seeds of the highest quality. Crystal's Dolichos Beans seeds provide excellent germination & better Vigor with tolerance to biotic & abiotic stresses.
Kindly adopt the best farming practices to get outstanding yield. The following general recommendations are provided, so we kindly ask you to read these recommendations before making any decisions.

Dolichos Variety	**Babli, Bhavani**	**DO-03, Indus HA-3, SPS HA-3**										
Duration	70-100 days	70-100 days										
Kharif	Yes	Yes										
Rabi	yes	Yes										
Spring												
Source of Irrigation	Ground water	Ground water										

Please note according to weather conditions crop growth & maturity may be different

S. No.	Particulars/ operations/Practice	Details of operation. input per acre
1	Suitability of the area/ Agro-climatic zone	Bush Bean can be grown in all the seasons, and is a semi arid crop.
2	Land / Soil	Well drained loam or slightly heavy soils are best suited. It can grow successfully in acidic soil but not in saline/alkaline soil.
3	Season/sowing time	Bush Dolichos can be grown round the year. But pole Dolichos are photo sensitive
4	Seed rate	16-20kg/ acre for bush type sowing during Jun, Oct and Feb
4	Preparation of Main field and planting	Prepare the main field to a fine tilth. In hard soil, one deep ploughs followed by two or three harrowing and planking are sufficient.
5	Spacing	Plant in 15cm apart in 60cm ridges.
6	Seed treatment before sowing	Seed is treated with Captan (2g/kg)
7	Manures and Fertilizers	Apply FYM/compost - 5 - 10 t/ha as basal with last ploughing. 15 - 20 kg N/ ha as starter dose in poor soils (organic carbon<0.5%), 50 - 60 kg/ha P2O5 and 50 - 60 kg K2O/ha.
8	Irrigation schedule	Generally, crop required 5 - 6 irrigation depending on soil, prevailing weather conditions etc, at an interval of 10-15 days. Crop can tolerate flooding up to 2 days at flowering and pod setting thereafter, a marked decrease in yield.
9	Weeding/inter-cultivation	For higher yield crop should be free from weed up to 25 to 30 day crop stage. A combination of manual weeding and herbicide can be used.
10	Micronutrient/growth regulator sprays	Apply at the time of flowering Sulphur (Bensulf) 10 kg
11	Pest and Disease control	Downey Mildew: Tebuconazole 50% + Trifloxystrobin 25% WG (0.5 to 1 gm per litre) Powdery Mildew: Tebuconazole 50% + Trifloxystrobin 25% WG (0.5 to 1 gm per liter)or Chlorothalonil 75% WP 1.0 ml/Liter Fruit Borer: Emamectin Benzoate 5% SG (0.5 gm/litre) For more information to control & disease in field, please consult your local agriculture officers.
12	Expected yield	Bush Dolichos: 10-12 tonnes/ha, under ideal conditions
13	Harvest and Storage	Harvest when pods are tender and green, usually 60–90 days after sowing. Pods are picked by hand.
14	Don't Do	
15	Do's	
Note	The above information is a general advisory. For specific recommendations related to particular region, please contact your local State Agriculture Department.	
Precautions	Crop growth and yield can be affected by various factors. Therefore, it is recommended to consult your local agricultural officer for advice. Ensure that only high-quality fertilizers and pesticides are used. Retain the bills for the purchase of seeds, fertilizers, and pesticides.	

सेम-की खेती के तरीके

बधाई हो! आपने क्रिस्टल परिवार के सेम की बेहतरीन किस्म के बीजों में से एक को चुना है। क्रिस्टल कंपनी को उच्च दर्जे के सेम के बीजों के उत्पादन का समृद्ध अनुभव है। ये बीज व्यापक शोध के फलस्वरूप तैयार किए गए हैं, ताकि अलग-अलग खेती की परिस्थितियों में अधिक उपज देने वाली हाइब्रिड फसलें विकसित की जा सकें। क्रिस्टल कंपनी बीज निर्माण में आधुनिक तकनीकों का उपयोग करती है, जिससे किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज मिल सकें। क्रिस्टल के सेम के बीजों में उच्च अंकुरण क्षमता, मजबूत पौध वृद्धि और रोग और पर्यावरणीय तनावों के प्रति अच्छी सहनशीलता प्रदान करते हैं।

बेहतरीन परिणाम प्राप्त करने हेतु खेती के अनुशंसित तरीकों को अपनाएँ। आगे कुछ सामान्य सुझाव दिए जा रहे हैं, इसलिए हम आपसे विनम्रतापूर्वक अनुरोध करते हैं कि फैसला लेने से पहले कृपया इन्हें अच्छी तरह पढ़ लें।

सेम की किस्म	धवली, भवानी	इंडस डीओ-०३, इंडस एचए-३, एसपीएस एचए-३, इंडस एचए-३										
अवधि	70-100 दिन	70-100 दिन										
खरीफ	हाँ	हाँ										
रबी	हाँ	हाँ										
वसंत												
सिंचाई का स्रोत	भूजल	भूजल										

कृपया ध्यान रखें कि जलवायु की स्थिति के अनुसार फसल वृद्धि और परिपक्व होने का समय अलग-अलग हो सकता है

क्रम सं.	विवरण/ संचालन/तरीका	कार्यप्रणाली का विवरण। प्रति एकड़ लागत
1	क्षेत्र की उपयुक्तता / कृषि-जलवायु क्षेत्र	बुश बीन्स को किसी भी मौसम में उगाया जा सकता है, यह अर्ध-शुष्क क्षेत्र की उपयुक्त फसल है।
2	भूमि / मिट्टी	अच्छी जल निकासी वाली दोमट या हल्की भारी मिट्टी में फसल बेहतर होती है। इसे अम्लीय मिट्टी में सफलतापूर्वक उगाया जा सकता है, पर नमकीन या क्षारीय मिट्टी के लिए उपयुक्त नहीं है।
3	मौसम/बुवाई का समय	सेम पूरे वर्ष उगाई जा सकती है। पर पोल डोलिचोस सूर्यप्रकाश के प्रकाश-संवेदनशील होती है
4	बीज दर	बुश किस्म की बुवाई हेतु जून, अक्टूबर और फरवरी में प्रति एकड़ 16–20 किग्रा बीज
4	मुख्य खेत की तैयारी और रोपाई	मुख्य खेत की जुताई करके मिट्टी को महीन बनाएँ। कठोर मिट्टी में एक गहरी जुताई, इसके बाद दो–तीन बार खेत की सतह को डीला करना और समतल करना पर्याप्त होता है।
5	पौधों के बीच दूरी	60 सेमी के उभारों में पौधों के बीच 15 सेमी की दूरी रखें।
6	बुआई से पहले बीज उपचार	बीज पर कैप्टन का उपचार 2 ग्राम/किग्रा मात्रा में किया जाता है
7	जैविक और रासायनिक उर्वरक	अंतिम जुताई के समय बेसल खुराक के रूप में 5–10 टन/हेक्टेयर गोबर की खाद या कंपोस्ट का प्रयोग करें। कमज़ोर मिट्टी में (जैविक कार्बन <0.5%) स्टार्टर डोज के रूप में 15–20 किग्रा N/हेक्टेयर, साथ ही 50–60 किग्रा/हेक्टेयर P_2O_5 और 50–60 किग्रा/हेक्टेयर K_2O डालें।
8	सिंचाई कार्यक्रम	फसल की आम तौर पर 10–15 दिन के अंतराल पर, मिट्टी और मौसम की परिस्थितियों के आधार पर 5–6 सिंचाई करनी पड़ती है। फसल में फूल और फलियों के बनने के चरण में 2 दिन तक पानी में रह सकती है, उसके बाद उपज में काफ़ी गिरावट होती है।
9	निराई/ खेत की बीच-बीच में जुताई	उच्च उपज पाने के लिए फसल की 25–30 दिन की अवस्था तक घास-फूस से मुक्त होना आवश्यक है। मैन्युअल निराई और हर्बिसाइड दोनों के मिश्रण का उपयोग किया जा सकता है।
10	पोषक तत्व और विकास नियामक का छिड़काव	फूल लगने के चरण में सल्फर (बेंसल्फ) 10 किग्रा उपयोग करें।
11	कीट-पतंग और रोग नियंत्रण	डाउनी मिल्ड्यू: टेबुकोनाजोल 50% + ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन 25% WG (0.5–1 ग्राम/लीटर) पाउडरी मिल्ड्यू: टेबुकोनाजोल 50% + ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन 25% WG (0.5–1 ग्राम/लीटर) या क्लोरोथालोनिल 75% WP 1.0 मि.ली./लीटर फ्रूट बोरर: एमामेक्टिन बेंजोएट 5% SG (0.5 ग्राम/लीटर) खेत में रोग और कीट नियंत्रण के संबंध में अधिक जानकारी के लिए अपने नजदीकी कृषि अधिकारियों से सलाह लें।
12	अनुमानित उपज	आदर्श स्थिति में सेम की उपज 10–12 टन प्रति हेक्टेयर होती है।
13	फसल संग्रह और भंडारण	पौधों की फली जब नरम और हरी हो जाए तो कटाई करें, यह सामान्य तौर पर बुवाई के 60–90 दिन के बाद होती है। फलियों को हाथ से ही तोड़ा जाता है।
14	क्या न करें	
15	क्या करें	
नोट	यह जानकारी सिर्फ़ सामान्य जानकारी के लिए है। विशेष क्षेत्र से जुड़ी अनुशंसाओं के लिए कृपया अपने संबंधित राज्य कृषि विभाग से संपर्क करें।	
सावधानियाँ	फसल वृद्धि और उपज पर अलग-अलग तत्वों का प्रभाव पड़ सकता है। अतः सलाह है कि सुझाव के लिए अपने नजदीकी कृषि अधिकारी से परामर्श करें। यह सुनिश्चित करें कि बेहतर गुणवत्ता के उर्वरक और कीटनाशक ही इस्तेमाल हों। बीज, उर्वरक और कीटनाशक की खरीद के बिल अपने पास रखें।	

પાપડી - ખેતી માટેની ભલામણ કરેલી પદ્ધતિઓ

અભિનંદન! તમે ક્રિસ્ટલ પરિવારમાંથી શ્રેષ્ઠ પાપડીના દાણાના બીજમાંથી એક પસંદ કર્યું છે. ક્રિસ્ટલ પાસે ઉચ્ચ-ગુણવત્તાવાળા પાપડીના દાણાના બીજનું ઉત્પાદન કરવાનો મજબૂત અનુભવ છે. આ બીજ વ્યાપક સંશોધનનું પરિણામ છે, જેનો ઉદ્દેશ્ય વિવિધ કૃષિ આબોહવા માટે યોગ્ય ઉચ્ચ ઉપજ આપતા હાઇબ્રિડ પાક વિકસાવવાનો છે. ખેડૂતોને ઉચ્ચ ગુણવત્તાવાળા બીજ મળે તે સુનિશ્ચિત કરવા માટે ક્રિસ્ટલ બીજ ઉત્પાદન દરમિયાન નવીનતમ તકનીકો અપનાવે છે. ક્રિસ્ટલના પાપડી બીન્સ બીજ ઉત્તમ અંકુરણ અને વધુ સારી શક્તિ પ્રદાન કરે છે, સાથે જૈવિક અને અજૈવિક તાણ સહન કરે છે.
ઉત્તમ ઉપજ મેળવવા માટે કૃપા કરીને શ્રેષ્ઠ ખેતી પદ્ધતિઓ અપનાવો. નીચે આપેલ સામાન્ય ભલામણો આપવામાં આવી છે, તેથી અમે તમને કોઈપણ નિર્ણય લેતા પહેલા આ ભલામણો વાંચવા વિનંતી કરીએ છીએ.

પાપડીની વિવિધતા	બબલી, ભવાની	ઇંડસ ડીઓ-૦૩, ઇંડસ એચએ-૩, એસપીએસ એચએ-૩, ઇંડસ એચએ-૩										
સમયગાળો	70-100 દિવસ	70-100 દિવસ										
ખરીફ	હા	હા										
રાબી	હા	હા										
વસંત												
સિંચાઈનો સ્ત્રોત	ભૂગર્ભ જળ	ભૂગર્ભ જળ										

કૃપા કરીને નોંધ લો કે હવામાન પરિસ્થિતિઓ અનુસાર પાકનો વિકાસ અને પરિપક્વતા અલગ અલગ હોઈ શકે છે.

ક્રમ નં.	વિગતો/કામગીરી/પ્રેક્ટિસ	કામગીરીની વિગતો. પ્રતિ એકર ઇનપુટ
1	વિસ્તાર/કૃષિ-આબોહવા ક્ષેત્રની યોગ્યતા	બુશ બીન બધી ઋતુઓમાં ઉગાડી શકાય છે, અને તે અર્ધ-સૂકા પાક છે.
2	જમીન / માટી	સારી રીતે પાણી નિતારેલી લોમ અથવા ચોડી ભારે જમીન શ્રેષ્ઠ અનુકૂળ છે. તે એસિડિક જમીનમાં સફળતાપૂર્વક ઉગી શકે છે પરંતુ ખારી/આલ્કલાઇન જમીનમાં નહીં.
3	ઋતુ/વાવણીનો સમય	બુશ પાપડી આખું વર્ષ ઉગાડી શકાય છે. પરંતુ પોલ પાપડી પ્રકાશસંવેદનશીલ હોય છે
4	બીજ દર	જૂન, ઓક્ટોબર અને ફેબ્રુઆરી દરમિયાન ઝાડી પ્રકારની વાવણી માટે 16-20 કિગ્રા/એકર
4	મુખ્ય ખેતરની તૈયારી અને વાવેતર	મુખ્ય ખેતરને સારી રીતે ખેડાણ માટે તૈયાર કરો. કઠણ જમીનમાં, એક ઊંડો ખેડાણ અને ત્યારબાદ બે કે ત્રણ કાપણી અને પ્લાંકિંગ પૂરતું છે.
5	અંતર	60cmની ટેકરીઓમાં 15cmના અંતરે વાવેતર કરો.
6	વાવણી પહેલાં બીજ માવજત	બીજને કેપ્ટન (2 ગ્રામ/કિલો) થી માવજત કરવામાં આવે છે.
7	ખાતર અને ખાતરો	છેલ્લી ખેડાણ વખતે મૂળ ખાતર તરીકે 5 - 10 ટન/હેક્ટર ખાતર/કમ્પોસ્ટનો ઉપયોગ કરો. નબળી જમીનમાં શરૂઆતના ડોઝ તરીકે 15 - 20 kg N/હેક્ટર (કાર્બનિક કાર્બન <0.5%), 50 - 60 kg/હેક્ટર ફોસ્ફરસ અને 50 - 60 kg K2O/ha.
8	સિંચાઈ સમયપત્રક	સામાન્ય રીતે, પાકને માટી, પ્રવર્તમાન હવામાન પરિસ્થિતિઓ વગેરેના આધારે 10-15 દિવસના અંતરે 5 - 6 સિંચાઈની જરૂર પડે છે. પાક ફૂલ આવવા અને પોડ બેસવા સુધી 2 દિવસ સુધી પૂર સહન કરી શકે છે, જેનાથી ઉપજમાં નોંધપાત્ર ઘટાડો થાય છે.
9	નીંદણ/આંતર-ખેતી	વધુ ઉપજ માટે પાક 25 થી 30 દિવસના પાકના તબક્કા સુધી નીંદણ મુક્ત હોવો જોઈએ. હાથથી નીંદણ અને નિંદણનાશકનો ઉપયોગ કરી શકાય છે.
10	સૂક્ષ્મ પોષકતત્વો/વૃદ્ધિ નિયમનકાર સ્પ્રે	ફૂલ આવવાના સમયે સલ્ફર (બેન્સલ્ફ) 10 કિલો આપો
11	જીવાત અને રોગ નિયંત્રણ	ડાઉની માઇલ્ડ્યુ: ટેબુકોનાઝોલ 50% + ટ્રાઇફ્લોક્સીસ્ટ્રોબિન 25% WG (0.5 થી 1 ગ્રામ પ્રતિ લિટર) પાવડરી ફૂગ: ટેબુકોનાઝોલ 50% + ટ્રાઇફ્લોક્સીસ્ટ્રોબિન 25% WG (0.5 થી 1 ગ્રામ પ્રતિ લિટર) અથવા ક્લોરોથાલોનિલ 75% WP 1.0 મિલી/લિટર ફળ ખાનાર ઈયળ: ઈમામેક્ટીન બેન્ઝોએટ 5% SG (0.5 ગ્રામ/લિટર) ખેતરમાં રોગ નિયંત્રણ અને નિયંત્રણ માટે વધુ માહિતી માટે, કૃપા કરીને તમારા સ્થાનિક કૃષિ અધિકારીઓનો સંપર્ક કરો.
12	અપેક્ષિત ઉપજ	બુશ પાપડી: આદર્શ પરિસ્થિતિઓમાં 10-12 ટન/હેક્ટર
13	લણણી અને સંગ્રહ	વાવણી પછી સામાન્ય રીતે 60-90 દિવસ પછી, શીંગો કોમળ અને લીલા રંગની થાય ત્યારે કાપણી કરો. પોડ હાથથી ચૂંટવામાં આવે છે.
14	ના કરો	
15	શું કરવું	
નોંધ	ઉપરોક્ત માહિતી એક સામાન્ય સલાહ છે. ચોક્કસ પ્રદેશ સંબંધિત ચોક્કસ ભલામણો માટે, કૃપા કરીને તમારા સ્થાનિક રાજ્ય કૃષિ વિભાગનો સંપર્ક કરો.	
સાવચેતીનાં પગલાં	પાકની વૃદ્ધિ અને ઉપજ વિવિધ પરિબળોથી પ્રભાવિત થઈ શકે છે. તેથી, સલાહ માટે તમારા સ્થાનિક કૃષિ અધિકારીનો સંપર્ક કરવાની ભલામણ કરવામાં આવે છે. ખાતરી કરો કે ફક્ત ઉચ્ચ ગુણવત્તાવાળા ખાતરો અને જંતુનાશકોનો ઉપયોગ થાય છે. બીજ, ખાતર અને જંતુનાશકોની ખરીદીના બિલ સાચવી રાખો.	

पावटा - पीक व्यवस्थापन पद्धती

अभिनंदन! तुम्ही क्रिस्टल कुटुंबातील पावट्याचा सर्वोत्तम बियाण्यांपैकी एक बियाणे निवडले आहे. क्रिस्टलला उच्च दर्जाचे पावट्याचे बियाणे तयार करण्याचा चांगला अनुभव आहे. विविध कृषी हवामानासाठी योग्य उच्च-उत्पादन देणारी संकरित पिके विकसित करण्याच्या उद्देशाने केलेल्या व्यापक संशोधनाचे परिणाम म्हणजेच हे बियाणे. शेतकऱ्यांना उच्च दर्जाचे बियाणे मिळावे यासाठी क्रिस्टल नेहमीच बियाणांच्या उत्पादना दरम्यान नवीनतम तंत्रज्ञानाचा अवलंब करते. क्रिस्टलच्या पावट्याच्या बियाणांमुळे, जैविक आणि अजैविक ताण सहन करण्याच्या शक्तीसह पिके जोमाने उगवतात आणि वाढतात.
उत्कृष्ट उत्पादन मिळविण्यासाठी कृपया सर्वोत्तम शेती पद्धतींचा अवलंब करा. खाली सामान्य शिफारसी दिल्या आहेत, त्यामुळे कोणताही निर्णय घेण्यापूर्वी आम्ही तुम्हाला या शिफारसी वाचण्याची विनंती करतो.

पावटा विविधता	**बबली, भवानी**	**इंडस डीओ-०३, इंडस एचए-३, एसपीएस एचए-३, इंडस एचए-३**										
कालावधी	70-100 दिवस	70-100 दिवस										
खरीप	होय	होय										
रब्बी	होय	होय										
वसंत ऋतु												
सिंचनाचा स्रोत	भूजल	भूजल										

कृपया नोंद घ्या की, हवामानाच्या परिस्थितीनुसार पिकाची वाढ आणि परिपक्वता वेगवेगळी असू शकते.

अनु. क्र.	**तपशील/कामकाज/प्रत्यक्ष कृती**	**कार्याचे तपशील. प्रति एकर उत्पादन**
1	क्षेत्राची योग्यता/कृषी-हवामान क्षेत्र	शेंगवर्गीय पीक सर्व ऋतूंमध्ये घेतले जाऊ शकते आणि ते अर्ध-कोरडवाहू पीक आहे.
2	जमीन/माती	पाण्याचा चांगला निचरा होणारी चिकणमाती किंवा किंचित जड माती सर्वात योग्य आहे. ते आम्लयुक्त मातीत यशस्वीरित्या वाढू शकते परंतु खारट/क्षारीय मातीत नाही.
3	हंगाम/पेरणीचा वेळ	शेंगवर्गीय पावटा वर्षभर वाढवता येतो परंतु कुळिथ प्रकाशसंवेदनशील असतात
4	बियाण्याचा दर	जून, ऑक्टोबर आणि फेब्रुवारीमध्ये शेंगवर्गीय पीक प्रकारच्या पेरणीसाठी 16-20 किलो/एकर
4	मुख्य शेताची तयारी आणि लागवड	मुख्य शेत सखोल मशागतीसाठी तयार करा. घट्ट जमिनीत, एक सखोल नांगरणी आणि त्यानंतर दोन किंवा तीन कुळवणी आणि सपाटीकरण पुरेसे आहे.
5	अंतर	15सेमी अंतरावर 60 सेमी सरींमध्ये लागवड करा.
6	पेरणीपूर्वी बियाणांवर प्रक्रिया	बियाण्यावर कॅप्टन (२ ग्रॅम/किलो) प्रक्रिया होते.
7	सेंद्रिय पदार्थ आणि खते	शेवटच्या नांगरणीच्या वेळी मूलभूत खत म्हणून शेणखत/कंपोस्ट खत - 5 - 10 टन/हेक्टर वापरा. पोटखराब जमिनीत सुरुवातीचा डोस म्हणून 15 - 20 किलो नत्र/हेक्टर (सेंद्रिय कार्बन <0.5%), 50 - 60 किलो/हेक्टर स्फुरद आणि 50 - 60 किलो पालाश/हेक्टर.
8	पेरणीपूर्वी बियाणे प्रक्रिया	साधारणपणे, पिकाला माती, सध्याच्या हवामान परिस्थिती इत्यादींनुसार 10-15 दिवसांच्या अंतराने 5 - 6 वेळा पाणी द्यावे लागते. फुले येईपर्यंत आणि शेंगा तयार होईपर्यंत पीक 2 दिवसांपर्यंत अतिरिक्त पाणी सहन करू शकते, त्यानंतर उत्पादनात लक्षणीय घट होते.
9	खुरपणी/आंतरमशागत	जास्त उत्पादनासाठी पीक 25 ते 30 दिवसांच्या पीक अवस्थेपर्यंत तणमुक्त असावे. हाताने खुरपणी करावी आणि तणनाशकांचा वापर केला जाऊ शकतो.
10	सूक्ष्म पोषक घटक/वाढ नियामक फवारण्या	फुलोऱ्याच्या वेळी सल्फर (बेन्सल्फ) 10 किलो वापरा
11	कीटक आणि रोग नियंत्रण	केवडा बुरशी: टेबुकोनाझोल 50% + ट्रायफ्लॉक्सिस्ट्रोबिन 25% WG (0.5 ते 1 ग्रॅम प्रति लिटर) भुरी बुरशी: टेबुकोनाझोल 50% + ट्रायफ्लॉक्सिस्ट्रोबिन 25% WG (0.5 ते 1 ग्रॅम प्रति लिटर) किंवा क्लोरोथॅलोनिल 75% WP 1.0 मिली/लिटर फळ पोखरणारी अळी: एमामेक्टिन बेंझोएट 5% SG (0.5 ग्रॅम/लिटर) शेतातील नियंत्रणासाठी आणि रोगाच्या अधिक माहितीसाठी, कृपया तुमच्या स्थानिक कृषी अधिकाऱ्यांचा सल्ला घ्या.
12	अपेक्षित उत्पन्न	शेंगवर्गीय पावटा: आदर्श परिस्थितीत 10-12 टन/हेक्टर
13	कापणी आणि साठवणूक	पेरणीच्या 60–90 दिवसांनी शेंगा कोवळ्या आणि हिरव्या असताना कापणी करा. शेंगा हाताने वेचतात.
14	करू नका	
15	करा	
नोंद	वरील माहिती मधून सामान्य सल्ले दिले आहेत. विशिष्ट प्रदेशाशी संबंधित विशिष्ट शिफारसींसाठी कृपया तुमच्या स्थानिक राज्य कृषी विभागाशी संपर्क साधा.	
घेण्याची काळजी	पिकांच्या वाढीवर आणि उत्पन्नावर विविध घटक परिणाम करू शकतात. म्हणून, तुमच्या स्थानिक कृषी अधिकाऱ्यांचा सल्ला घेण्याची शिफारस केली जाते. केवळ उच्च दर्जाची खते आणि कीटकनाशके वापरली जात आहेत याची खात्री करा. बियाणे, खते आणि कीटकनाशके खरेदी करताना बिल बाळगा.	

CRYSTAL Inspiring Growth

I&B Seeds INDUS SEEDS | SEED PLANT SCIENCE

ಡೋಲಿಕಾಸ್ - ಕೃಷಿ ಪದ್ಧತಿಗಳ ಪ್ಯಾಕೇಜ್

ಅಭಿನಂದನೆಗಳು! ನೀವು ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಕುಟುಂಬದ ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಡೋಲಿಕಾಸ್ ಬೀನ್ಸ್ ಬೀಜಗಳಲ್ಲಿ ಒಂದನ್ನು ಆಯ್ಕೆ ಮಾಡಿದ್ದೀರಿ. ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಉನ್ನತ ಗುಣಮಟ್ಟದ ಡೋಲಿಕಾಸ್ ಬೀನ್ಸ್ ಬೀಜಗಳನ್ನು ಉತ್ಪಾದಿಸುವಲ್ಲಿ ದೃಢವಾದ ಅನುಭವವನ್ನು ಹೊಂದಿದೆ. ಈ ಬೀಜಗಳು ವ್ಯಾಪಕವಾದ ಸಂಶೋಧನೆಯ ಫಲಿತಾಂಶವಾಗಿದ್ದು, ವಿವಿಧ ಕೃಷಿ ಹವಾಮಾನಗಳಿಗೆ ಸೂಕ್ತವಾದ ಹೆಚ್ಚಿನ ಇಳುವರಿ ನೀಡುವ ಹೈಬ್ರಿಡ್ ಬೆಳೆಗಳನ್ನು ಅಭಿವೃದ್ಧಿಪಡಿಸುವ ಗುರಿಯನ್ನು ಹೊಂದಿವೆ. ರೈತರಿಗೆ ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ಬೀಜಗಳು ದೊರೆಯುವುದನ್ನು ಖಾತ್ರಿಪಡಿಸಲು ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಬೀಜ ಉತ್ಪಾದನೆಯ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಇತ್ತೀಚಿನ ತಂತ್ರಜ್ಞಾನಗಳನ್ನು ಅಳವಡಿಸಿಕೊಂಡಿದೆ. ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಡೋಲಿಕಾಸ್ ಬೀನ್ಸ್ ಬೀಜಗಳು ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಮೊಳಕೆಯೊಡೆಯುವಿಕೆ ಮತ್ತು ಉತ್ತಮ ಚೈತನ್ಯವನ್ನು ಒದಗಿಸುತ್ತವೆ ಮತ್ತು ಜೈವಿಕ ಮತ್ತು ಅಜೈವಿಕ ಒತ್ತಡಗಳಿಗೆ ಸಹನಶೀಲತೆಯನ್ನು ಹೊಂದಿವೆ.
ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಇಳುವರಿ ಪಡೆಯಲು ದಯವಿಟ್ಟು ಉತ್ತಮ ಕೃಷಿ ಪದ್ಧತಿಗಳನ್ನು ಅಳವಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ. ಈ ಕೆಳಗಿನ ಸಾಮಾನ್ಯ ಶಿಫಾರಸ್ಸುಗಳನ್ನು ಒದಗಿಸಲಾಗಿದೆ, ಆದ್ದರಿಂದ ಯಾವುದೇ ನಿರ್ಧಾರಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳುವ ಮೊದಲು ಈ ಶಿಫಾರಸ್ಸುಗಳನ್ನು ಓದಲು ದಯವಿಟ್ಟು ಕೇಳಿಕೊಳ್ಳುತ್ತೇವೆ.

ೋಲಿಕಾಸ್ ಪ್ರಭೇ	**ಬಬ್ಲಿ, ಭವಾನಿ**	**ಇಂಡಸ್ ಡಿಓ-೦೩, ಇಂಡಸ್ ಎಚ್‌ಎ-೩, ಎಸ್‌ಪಿಎಸ್ ಎಚ್‌ಎ-೩, ಇಂಡಸ್ ಎಚ್‌ಎ-೩**								
ಅವಧಿ	70-100 ದಿನಗಳು	70-100 ದಿನಗಳು								
ಮುಂಗಾರು	ಹೌದು	ಹೌದು								
ಹಿಂಗಾರು	ಹೌದು	ಹೌದು								
ವಸಂತ										
ನೀರಾವರಿ ಪದ್ಧತಿ	ಅಂತರ್ಜಲ	ಅಂತರ್ಜಲ								

ದಯವಿಟ್ಟು ಗಮನಿಸಿ: ಹವಾಮಾನ ಪರಿಸ್ಥಿತಿಗಳ ಪ್ರಕಾರ ಬೆಳೆಯ ಬೆಳವಣಿಗೆ ಮತ್ತು ಪಕ್ವತೆ ವಿಭಿನ್ನವಾಗಿರಬಹುದು

ಕ್ರಮ ಸಂಖ್ಯೆ.	**ವಿವರಗಳು / ಕಾರ್ಯಾಚರಣೆಗಳು /ಪದ್ಧತಿ**	**ಕಾರ್ಯಾಚರಣೆಯ ವಿವರಗಳು / ಪ್ರತಿ ಎಕರೆಗೆ ಒಳಹರಿವು**
1	ಪ್ರದೇಶದ ಸೂಕ್ತತೆ/ ಕೃಷಿ-ಹವಾಮಾನ ವಲಯ	ಬುಷ್ ಬೀನ್ ಅನ್ನು ಎಲ್ಲಾ ಋತುಗಳಲ್ಲಿ ಬೆಳೆಯಬಹುದು, ಮತ್ತು ಇದು ಅರೆ ಶುಷ್ಕ ಬೆಳೆಯಾಗಿದೆ.
2	ಭೂಮಿ / ಮಣ್ಣು	ಉತ್ತಮ ನೀರು ಬಸಿದು ಹೋಗುವಂತಹ ಎರೆ ಮಣ್ಣು ಅಥವಾ ಸ್ವಲ್ಪ ಭಾರವಾದ ಮಣ್ಣುಗಳು ಉತ್ತಮವಾಗಿ ಸೂಕ್ತವಾಗಿವೆ. ಇದು ಆಮ್ಲೀಯ ಮಣ್ಣಿನಲ್ಲಿ ಯಶಸ್ವಿಯಾಗಿ ಬೆಳೆಯಬಹುದು ಆದರೆ ಲವಣಯುಕ್ತ/ಕ್ಷಾರೀಯ ಮಣ್ಣಿನಲ್ಲಿ ಬೆಳೆಯುವುದಿಲ್ಲ.
3	ಕಾಲ/ಬಿತ್ತುವ ಸಮಯ	ಬುಷ್ ಡೋಲಿಕಾಸ್ ಅನ್ನು ವರ್ಷಪೂರ್ತಿ ಬೆಳೆಯಬಹುದು. ಆದರೆ ಕಂಬ ಡೋಲಿಕಾಸ್ ಬೆಳಕಿಗೆ ಸಂವೇದನಾಶೀಲವಾಗಿದೆ
4	ಬೀಜದ ಪ್ರಮಾಣ	ಬುಷ್ ಪ್ರಕಾರಕ್ಕೆ ಜೂನ್, ಅಕ್ಟೋಬರ್ ಮತ್ತು ಫೆಬ್ರುವರಿಯಲ್ಲಿ ಬಿತ್ತನೆಗೆ 16-20 ಕೆಜಿ/ಎಕರೆ
5	ಮುಖ್ಯ ಹೊಲವನ್ನು ತಯಾರು ಮಾಡುವುದು ಮತ್ತು ನಾಟಿ	ಮುಖ್ಯ ಹೊಲವನ್ನು ನುಣುಪಾದ ಹದಕ್ಕೆ ಸಿದ್ಧಪಡಿಸಿ. ಗಟ್ಟಿ ಮಣ್ಣಿನಲ್ಲಿ, ಒಂದು ಆಳವಾದ ಉಳುಮೆ ಮಾಡಿದ ನಂತರ, ಎರಡು ಅಥವಾ ಮೂರು ಬಾರಿ ಕುಂಟೆ ಹೊಡೆಯುವುದು ಮತ್ತು ಸಮತಟ್ಟು ಮಾಡುವುದು ಸಾಕಾಗುತ್ತದೆ.
6	ಅಂತರ	60 ಸೆಂ.ಮೀ ದೋಣಿಗಳಲ್ಲಿ 15 ಸೆಂ.ಮೀ ಅಂತರದಲ್ಲಿ ನೆಡುವುದು.
7	ಬಿತ್ತನೆಯ ಮೊದಲು ಬೀಜ ಸಂಸ್ಕರಣೆ	ಬೀಜವನ್ನು ಕ್ಯಾಪ್ಟಾನ್ (2 ಗ್ರಾಂ/ಕೆಜಿ) ನೊಂದಿಗೆ ಸಂಸ್ಕರಿಸಲಾಗುತ್ತದೆ
8	ಗೊಬ್ಬರ ಮತ್ತು ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳು	ಕೊನೆಯ ಉಳುಮೆಯೊಂದಿಗೆ ಮೂಲ ಗೊಬ್ಬರವಾಗಿ FYM/ಕಂಪೋಸ್ಟ್ - 5 - 10 ಟನ್/ಹೆಕ್ಟೇರ್ ಅನ್ನು ಅನ್ವಯಿಸಿ. ಕಳಪೆ ಮಣ್ಣುಗಳಲ್ಲಿ (ಸಾವಯವ ಇಂಗಾಲ <0.5%) ಪ್ರಾರಂಭಿಕ ಪ್ರಮಾಣವಾಗಿ 15 - 20 ಕೆಜಿ N/ಹೆಕ್ಟೇರ್, 50 - 60 ಕೆಜಿ/ಹೆಕ್ಟೇರ್ P_2O_5 ಮತ್ತು 50 - 60 ಕೆಜಿ K_2O/ಹೆಕ್ಟೇರ್.
9	ನೀರಾವರಿ ವೇಳಾಪಟ್ಟಿ	ಸಾಮಾನ್ಯವಾಗಿ, ಬೆಳೆಗೆ ಮಣ್ಣು, ಚಾಲ್ತಿಯಲ್ಲಿರುವ ಹವಾಮಾನ ಪರಿಸ್ಥಿತಿಗಳು ಇತ್ಯಾದಿಗಳನ್ನು ಅವಲಂಬಿಸಿ 10-15 ದಿನಗಳ ಮಧ್ಯಂತರದಲ್ಲಿ 5-6 ನೀರಾವರಿ ಅಗತ್ಯವಿರುತ್ತದೆ. ಬೆಳೆಯು ಹೂಬಿಡುವ ಮತ್ತು ಕಾಯಿ ಕಟ್ಟುವ ಹಂತದಲ್ಲಿ 2 ದಿನಗಳವರೆಗೆ ನೀರು ನಿಲ್ಲುವುದನ್ನು ಸಹಿಸಿಕೊಳ್ಳಬಹುದು, ಆದರೆ ಅದರ ನಂತರ ಇಳುವರಿಯಲ್ಲಿ ಗಮನಾರ್ಹ ಇಳಿಕೆಯಾಗುತ್ತದೆ.
10	ಕಳೆ ತೆಗೆಯುವಿಕೆ/ಅಂತರ ಕೃಷಿ	ಹೆಚ್ಚಿನ ಇಳುವರಿಗಾಗಿ ಬೆಳೆಯು 25 ರಿಂದ 30 ದಿನಗಳ ಬೆಳೆ ಹಂತದವರೆಗೆ ಕಳೆಗಳಿಂದ ಮುಕ್ತವಾಗಿರಬೇಕು. ಕೈಯಿಂದ ಕಳೆ ಕಿತ್ತು ಹಾಕುವುದು ಮತ್ತು ಕಳೆನಾಶಕದ ಸಂಯೋಜನೆಯನ್ನು ಬಳಸಬಹುದು.
11	ಸೂಕ್ಷ್ಮ ಪೋಷಕಾಂಶಗಳು/ಬೆಳವಣಿಗೆ ನಿಯಂತ್ರಕ ಸಿಂಪಡಣೆಗಳು	ಹೂಬಿಡುವ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಗಂಧಕ (ಬೆನ್ಸಲ್ಫ್) 10 ಕೆ.ಜಿ ಹಾಕಿ
12	ಕೀಟ ಮತ್ತು ರೋಗ ನಿಯಂತ್ರಣ	ಡೌನಿ ಶಿಲೀಂದ್ರ ರೋಗ: ಟೆಬುಕೊನಜೋಲ್ 50% + ಟ್ರೈಫ್ಲಾಕ್ಸಿಸ್ಟ್ರೋಬಿನ್ 25% ಡಬ್ಲ್ಯೂಜಿ (0.5 ರಿಂದ 1 ಗ್ರಾಂ ಪ್ರತಿ ಲೀಟರ್) ಬೂದಿ ರೋಗ: ಟೆಬುಕೊನಜೋಲ್ 50% + ಟ್ರೈಫ್ಲಾಕ್ಸಿಸ್ಟ್ರೋಬಿನ್ 25% ಡಬ್ಲ್ಯೂಜಿ (0.5 ರಿಂದ 1 ಗ್ರಾಂ ಪ್ರತಿ ಲೀಟರ್) ಅಥವಾ ಕ್ಲೋರೊಥಲೊನಿಲ್ 75% ಡಬ್ಲ್ಯೂಪಿ 1.0 ಮಿ.ಲೀ/ಲೀಟರ್ ಹಣ್ಣು ಕೊರೆಯುವ ಹುಳು: ಎಮಮೆಕ್ಟಿನ್ ಬೆಂಜೊಯೇಟ್ 5% SG (0.5 ಗ್ರಾಂ/ಲೀಟರ್) ಹೊಲದಲ್ಲಿ ಕೀಟ ಮತ್ತು ರೋಗ ನಿಯಂತ್ರಣದ ಕುರಿತು ಹೆಚ್ಚಿನ ಮಾಹಿತಿಗಾಗಿ, ದಯವಿಟ್ಟು ನಿಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ ಕೃಷಿ ಅಧಿಕಾರಿಗಳನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಿ.
13	ನಿರೀಕ್ಷಿತ ಇಳುವರಿ	ಬುಷ್ ಡೊಲಿಕೋಸ್: ಆದರ್ಶ ಪರಿಸ್ಥಿತಿಗಳಲ್ಲಿ 10-12 ಟನ್/ಹೆಕ್ಟೇರ್
14	ಕೊಯ್ಲು ಮತ್ತು ಸಂಗ್ರಹಣೆ	ಕಾಯಿಗಳು ಮೃದುವಾಗಿ ಮತ್ತು ಹಸಿರಾಗಿರುವಾಗ ಕಟಾವು ಮಾಡಿ, ಇದು ಸಾಮಾನ್ಯವಾಗಿ ಬಿತ್ತಿದ 60 ರಿಂದ 90 ದಿನಗಳ ನಂತರ ಆಗಿರುತ್ತದೆ. ಕಾಯಿಗಳನ್ನು ಕೈಯಿಂದ ಆರಿಸಲಾಗುತ್ತದೆ.
15	ಮಾಡಬೇಡಿ	
16	ಮಾಡಬೇಕಾದವು	
ಸೂಚನೆ	ಮೇಲಿನ ಮಾಹಿತಿಯು ಸಾಮಾನ್ಯ ಸಲಹೆಯಾಗಿದೆ. ನಿರ್ದಿಷ್ಟ ಪ್ರದೇಶಕ್ಕೆ ಸಂಬಂಧಿಸಿದ ವಿಶೇಷ ಶಿಫಾರಸ್ಸುಗಳಿಗಾಗಿ, ದಯವಿಟ್ಟು ನಿಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ ರಾಜ್ಯ ಕೃಷಿ ಇಲಾಖೆಯನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಿ.	
ಎಚ್ಚರಿಕೆಗಳು	ಬೆಳೆಯ ಬೆಳವಣಿಗೆ ಮತ್ತು ಇಳುವರಿಯು ವಿವಿಧ ಅಂಶಗಳಿಂದ ಪ್ರಭಾವಿತವಾಗಬಹುದು. ಆದ್ದರಿಂದ, ಸಲಹೆಗಾಗಿ ನಿಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ ಕೃಷಿ ಅಧಿಕಾರಿಯನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಲು ಶಿಫಾರಸು ಮಾಡಲಾಗುತ್ತದೆ. ಉತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳು ಮತ್ತು ಕೀಟನಾಶಕಗಳನ್ನು ಮಾತ್ರ ಬಳಸಲಾಗಿದೆ ಎಂದು ಖಚಿತಪಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ. ಬೀಜಗಳು, ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳು ಮತ್ತು ಕೀಟನಾಶಕಗಳ ಖರೀದಿಯ ಬಿಲ್‌ಗಳನ್ನು ಉಳಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ.	

అనమలు (డోలిఖోస్ చిక్కుడు) లో - పాటించవలసిన ఆచరణల పాకేజి

శుభాకాంక్షలు! క్రిష్ణల్ కుటుంబము యొక్క అత్యంత ఉత్తమమైన అనమలు విత్తనాల్లో ఒకదానిని మీరు ఎంచుకున్నారు. ఉత్తమ-నాణ్యత కలిగిన అనమలు విత్తనాలను ఉత్పత్తి చేయడములో క్రిష్ణల్ కి చాలా అనుభవము వుంది. ఈ విత్తనాలు విస్తారముగా చేసిన పరిశోధన యొక్క ఫలితము, వీటిని వివిధ వ్యవసాయ వాతావరణాలకి అనుకూలముగా అధిక-దిగుబడి ఇవ్వడమనే ఉద్దేశ్యముతో రూపొందించడము జరిగినది. రైతులకు అత్యధిక నాణ్యత కలిగిన విత్తనాలను అందించడానికి విత్తనాలను ఉత్పత్తి చేసే సమయములో క్రిష్ణల్ అత్యాధునిక టెక్నాలజీలను పాటిస్తుంది. క్రిష్ణల్ అనమలు విత్తనాలు బయోటిక్ & ఏబయోటిక్ వత్తిడికి తట్టుకునే సామర్థ్యముతో అద్భుతమైన మొలకెత్తే తత్వాలను & మెరుగైన బలమును కలిగివుంటాయి.
అద్భుతమైన దిగుబడి కొరకు దయచేసి ఉత్తమమైన వ్యవసాయ ఆచరణలను పాయించండి. క్రింద సాధారణ సూచనలు ఇవ్వబడ్డాయి, కాబట్టి ఏవైనా నిర్ణయాలు తీసుకునే ముందు ఈ సూచనలను చదవాలని మేము మిమ్మల్ని అభ్యర్థిస్తున్నాము.

అనమలు వంగడాలు	బాబ్లీ, భవాని	ఇండస్ DO-03, ఇండస్ HA -3, SPS HA -3										
కాలము పరిమితి	70-100 రోజులు	70-100 రోజులు										
ఖరీఫ్	అవును	అవును										
రబీ	అవును	అవును										
వసంత కాలము												
నీటి పారుదల వనరు	భూగర్భ జలము	భూగర్భ జలము										

దయచేసి గమనించండి వాతావరణ పరిస్థితుల ఆధారముగా పంట ఎదుగుదల & పక్వము కాలము మారవచ్చు

క్ర. సం.	వివరాలు/ఆపరేషన్లు/ఆచరణలు	ఆపరేషన్ వివరాలు. ఎకరానికి ఇన్పుట్
1	ప్రాంతము యొక్క అనుకూలత/వ్యవసాయ-వాతావరణ జోన్	పొద చిక్కుడును అన్ని సీజన్లలో పెంచవచ్చు, మరియు ఇది అర్ధ శుష్క పంట (సెమీ ఆరిడ్ పంట).
2	భూమి/మట్టి	బాగా నీరు ఇంకే లోమ్ లేదా కొద్దిగా భారీగా పోషకాలు వున్న నేలలు దీనికి బాగా అనుకూలము. ఇది ఆమ్ల నేలల్లో బాగా ఎదుగుతుంది కానీ ఉప్పు/క్షార నేలలు దీనికి పనికిరావు.
3	సీజన్/నాటే సమయము	సంవత్సరము అంతటా పొద అనమలను పెంచవచ్చు. కానీ పోల్ అనమలు కాంతికి సెన్సిటివ్ గా వుంటాయి
4	విత్తనము రేట్	ఎకరానికి/16-20 కిలోలు పొద రకముకి నాటడము జూన్, అక్టోబర్ మరియు ఫిబ్రవరి
4	ప్రధానమైన పొలమును తయారు చేయడము మరియు నాటడము	ప్రధానమైన పొలమును మెరుగుగా తయారు చేయండి. గట్టి నేలల్లో, ఒకసారి లోతుగా దుక్కి దున్నడము తరవాత రెండు లేదా మూడు చదును చేయడము మరియు ప్లాంకింగ్ చేస్తే సరిపోతుంది.
5	ఖాళీ ఇవ్వడము	60cm గట్ల మీద 15cm దూరములో దీనిని నాటండి.
6	విత్తే ముందు విత్తనమును శుద్ధి చేయడము	విత్తనమును కాప్తాన్ (2 గ్రాములు/కిలో) తో శుద్ధి చేయండి
7	ఎరువులు మరియు ఫర్టిలైజర్లు	చివరి దుక్కి దున్నాక బేసల్ గా ఎఫ్వైఎం (FYM) /కంపోస్ట్ - 5-10 టన్నులు/హెక్టారుకి అప్లై చేయండి. నాశి రకము నేలల్లో (సేంద్రీయ కర్బనము<0.5%) 15 - 20 కిలోల N/హెక్టారు, 50 - 60 కిలోలు/హెక్టారు P2O5 మరియు 50 - 60 కిలోలు K2O/హెక్టారు.
8	నీటి పారుదల షెడ్యూల్	మట్టి, నడుస్తున్న వాతావరణ పరిస్థితులు మొదలగునవి ఆధారముగా, 10-15 రోజులకి 5-6 నీటి పారుదల ఈ పంటకి సాధారణముగా అవసరము పడతాయి. పూలు పూసే మరియు కాయలు ఏర్పడే దశలలో పంట 2 రోజులు ముంచెత్తే పరిస్థితులను తట్టుకుంటుంది, అటుతరవాత దిగుబడిలో తగ్గుదల కనబడుతుంది.
9	కలుపు మొక్కలు తొలగించడము/అంతర్గత-కల్టివేషన్	అధికమైన పంట దిగుబడికి పంట 25 నుంచి 30 రోజుల దశకి కలుపు మొక్కల లేకుండా వుండాలి. చేతితో కలుపు మొక్కలు తొలగించడము మరియు హర్బిసైడ్ కలిపి ఉపయోగించాలి.
10	సూక్ష్మపోషకము/ఎదుగుదల రెగ్యులేటర్ స్ప్రేలు	పూలు పూసే సమయములో సల్ఫర్ (బెన్సుల్ఫ్) 10 కిలోలు అప్లై చేయండి
11	చీడ మరియు తెగులు కంట్రోల్	డౌనీ బూజు తెగులు: టెబుకొనజోల్ 50% + ట్రిఫ్లోక్సిస్ట్రోబిన్ 25% WG (లీటరుకి 0.5 to 1 గ్రాములు) బూడిద తెగులు: టెబుకొనజోల్ 50% + ట్రిఫ్లోక్సిస్ట్రోబిన్ 25% WG (లీటరుకి 0.5 to 1 గ్రాములు) లేదా క్లోరోథాలోనిల్ 75% WP 1.0 ml/లీటరు పండు తొలుచు పురుగు: ఎమామెక్టిన్ బెన్జోయేట్ 5% SG (0.5 gm/లీటరు) పొలములో తెగులు & చీడల కంట్రోలు మీద అదనపు సమాచారము కొరకు, దయచేసి మీ స్థానిక వ్యవసాయ ఆఫీసర్లను సంప్రదించండి.
12	ఆశించే దిగుబడి	పొద అనమలు: సరైన పరిస్థితులలో 10-12 టన్నులు/హెక్టారు
13	కోత మరియు స్టోరేజ్	కాయలు లేతగా మరియు ఆకుపచ్చ రంగులో వున్నప్పుడు కోత కోయండి, ఇది నాటిన తరవాత 60-90 రోజులకి అవుతుంది. కాయలను చేతితో ఎంచి కోయాలి.
14	చేయకూడనివి	
15	చేయవలసినవి	
గమనిక	పైన చెప్పబడిన సమాచారము సాధారణ సలహాలు మాత్రమే. ప్రత్యేక ప్రాంతాలకి సంబంధించిన ప్రత్యేకమైన సూచనల కొరకు, దయచేసి మీ రాష్ట్ర స్థానిక వ్యవసాయ శాఖను సంప్రదించండి.	
జాగ్రత్తలు	పంటల ఎదుగుదల మరియు దిగుబడి పలు కారణాల వలన ప్రభావితము అవుతుంది. కాబట్టి, మీ స్థానిక వ్యవసాయ అధికారిని సలహా కొరకు సంప్రదించాలని సూచించడము జరిగింది. కేవలము అధిక-నాణ్యత కలిగిన ఫర్టిలైజర్లు మరియు కీటకనాశనులు మాత్రమే ఉపయోగించబడ్డాయని ధృవీకరించుకోండి. విత్తనాలు, ఫర్టిలైజర్లు మరియు కీటకనాశనుల కొనుగోలు బిల్లులను మీ వద్ద వుంచుకోండి.	

செடி அவரை - பயிரிடுதலுக்கான வழிகாட்டுதல்கள் மற்றும் தொழில்நுட்பங்கள்

வாழ்த்துகள்! கிரிஸ்டல் குடும்பத்தில் இருந்து மிகச் சிறந்த செடி அவரை விதைகளில் ஒன்றைத் தேர்வு செய்துள்ளீர்கள். உயர் தர செடி அவரை விதைகள் தயாரிப்பில் கிரிஸ்டல் நிறுவனம் மிகச் சிறந்த அனுபவம் கொண்டது. இந்த விதைகள், பரவலான விவசாயக் காலநிலைகளுக்கு பொருந்தும் வகையில், அதிக மகசூல் தரும் கலப்பு பயிர்களை உருவாக்குவதற்கான பரந்த ஆராய்ச்சியின் விளைவு ஆகும். கிரிஸ்டல், விவசாயிகள் மிக உயர் தரமான விதைகளைப் பெறுவதை உறுதி செய்வதற்காக விதை தயாரிப்பின் போது நவீன தொழில்நுட்பங்களைப் பயன்படுத்துகிறது. கிரிஸ்டலின் டோலிச்சோஸ் பீன்ஸ் விதைகள் உயிரி சார் & உயிரி சாரா சூழல்களில் தாக்கு பிடிக்கும் வகையில் மிகச் சிறந்த முளைத்தல் & வலிமை கொண்டவை.
மிகச் சிறந்த மகசூலைப் பெற, சிறந்த விவசாய நடைமுறைகளை மேற்கொள்ளுங்கள். பின்வரும் பொதுவான பரிந்துரைகள் வழங்கப்பட்டுள்ளது. எனவே, ஏதேனும் முடிவுகளை மேற்கொள்ளும் முன் இந்தப் பரிந்துரைகளைப் படிக்குமாறு கேட்டுக்கொள்கிறோம்.

டோலிச்சோஸ் வகை	பாப்லி, பவானி	இண்டஸ் DO-03, இண்டஸ் HA-3, SPS HA-3, இண்டஸ் HA-3										
காலம்	70-100 நாட்கள்	70-100 நாட்கள்										
காரீப்	ஆம்	ஆம்										
ராபி	ஆம்	ஆம்										
வசந்த காலம்												
பாசன ஆதாரம்	நிலத்தடி நீர்	நிலத்தடி நீர்										

வானிலை சூழல்களைப் பொறுத்து பயிர் வளர்ச்சி & முதிர்ச்சி மாறுபடலாம் என்பதைக் கவனத்தில் கொள்ளுங்கள்

வ.எண்.	விவரங்கள் / செயல்பாடுகள் / செய்முறை	செயல்முறைக்கான விவரங்கள். ஒரு ஏக்கருக்கான உர உள்ளீடு
1	பொருந்துகின்ற பரப்பளவு/ விவசாய-காலநிலை மண்டலம்	அனைத்து பருவங்களிலும் செடி அவரை வளர்க்கலாம் மற்றும் இது ஒரு அரை வறண்ட காலநிலை பயிர் ஆகும்.
2	நிலம் / மண்	நீர் தங்காத பசளை அல்லது லேசான களிமண்ணும் சிறந்த தேர்வு. இது அமில மண்ணில் நன்றாக வளரும். ஆனால், உப்பு/கார மண்ணில் வளராது.
3	பருவம்/விதைக்கும் நேரம்	செடி அவரை வருடம் முழுவதும் வளர்க்கலாம். ஆனால், போல் அவரை ஒளி உணர்திறன் கொண்டவை.
4	விதை வீதம்	ஜூன், அக்டோபர் மற்றும் பிப்ரவரியில் புஷ் வகையை விதைக்கும் போது ஏக்கருக்கு 16-20 கிலோ போட வேண்டும்
4	பிரதான நிலம் மற்றும் நாற்று நடுவதற்கான தயாரிப்பு	பிரதான நிலத்தை நன்கு பண்படுத்திய நிலமாகத் தயார் செய்திடுங்கள். களிமண்ணில், ஒரு ஆழமான உழுதல்களைத் தொடர்ந்து இரண்டு அல்லது மூன்று பண்படுத்தல்கள் மற்றும் மண்ணை பண்படுத்தல் போதுமானது.
5	இடைவெளி	60 செமீ மணல் மேடுகளில் 15 செமீ இடைவெளியில் நடவு செய்யுங்கள்.
6	விதைப்பதற்கு முன்பான விதை தயாரிப்பு	விதையைக் காப்டான் உடன் கலக்குங்கள் (கிலோவிற்கு 2 கிராம்)
7	எருக்கள் மற்றும் உரங்கள்	கடைசி உழுதலில் அடி உரமாக ஹெக்டேருக்கு 5-10 டன் தொழு உரம் (FYM)/உரத்தைப் போடுங்கள். மோசமான மண்ணில் தொடக்க அளவாக ஹெக்டேருக்கு 15-20 கிலோ N (கரிம கார்பன்<0.5%), 50-60 கிலோ P2O5 மற்றும் 50 - 60 கிலோ K2O வைப் போட வேண்டும்.
8	பாசன அட்டவணை	பொதுவாக, 10-15 நாட்கள் இடைவெளியில் தற்போதைய வானிலை நிலைகள் மற்றும் மண்ணைப் பொறுத்து பயிருக்கு 5-6 பாசனம் தேவைப்படலாம். பயிரானது, பூக்கும் நேரத்தில் 2 நாட்கள் வரை வெள்ளத்தைத் தாக்கு பிடிக்கும் மற்றும் அதற்குப் பின் காய் வைத்திடும், மகசூலில் ஒரு குறிப்பிடத்தக்க குறைவு இருக்கலாம்.
9	களை நீக்கம்/ ஊடு பயிரிடுதல்	அதிக மகசூலுக்கு பயிருக்கு பயிர் நிலையில் 25 முதல் 30 நாட்கள் வரை களை இல்லாமல் இருக்க வேண்டும். கையால் களை பறித்தல் மற்றும் களைக்கொல்லியின் பயன்பாடு என இரண்டும் தேவைப்படலாம்.
10	நுண் ஊட்டச்சத்து/வளர்ச்சியை ஒழுங்குபடுத்தும் தெளிப்புகள்	பூக்கும் நேரத்தில் 10 கிலோ சல்பரைப் போடுங்கள் (பென்சல்ஃப்)
11	பூச்சி மற்றும் நோய் கட்டுப்பாடு	அடிச்சாம்பல் நோய்: டெபுகோனசோல் 50% + டிரைபிளாக்சிஸ்ட்ரோபின் 25% டபிள்யுஜி (WG) (லிட்டருக்கு 0.5 முதல் 1 கிராம்) சாம்பல் நோய்: டெபுகோனசோல் 50% + டிரைபிளாக்சிஸ்ட்ரோபின் 25% டபிள்யுஜி (WG) (லிட்டருக்கு 0.5 முதல் 1 கிராம்) அல்லது குளோரோதலோனில் 75% டபிள்யுபி லிட்டருக்கு 1.0 மிலி. பழ துளைப்பான்: எமாமெக்டின் பென்சோயேட் 5% எஸ்ஜி (SG) (லிட்டருக்கு 0.5 கிராம்) நிலத்தில் பூச்சிகள் & நோய் தடுப்பு பற்றி மேலும் அறிய, உங்கள் உள்ளூர் விவசாய அலுவலர்களுடன் ஆலோசியுங்கள்.
12	எதிர்பார்க்கப்படும் மகசூல்	செடி அவரை: சாதகமான நிலைகளில் ஹெக்டேருக்கு 10-12 டன்கள் போட வேண்டும்
13	அறுவடை மற்றும் சேமிப்பகம்	காய்கள் மென்மையாகவும் பச்சையாகவும் இருக்கும் போது, விதைத்த 60-90 நாட்கள் கழித்து அறுவடை செய்யுங்கள். காய்கள் கையால் பறிக்கப்படுகிறது.
14	செய்யக்கூடாதவை	
15	செய்ய வேண்டியவை	
குறிப்பு	மேற்கண்ட தகவல் ஒரு பொதுவான அறிவுறுத்தல். குறிப்பிட்ட பகுதிக்கான தனிப்பட்ட பரிந்துரைகளுக்கு, உங்களது மாநிலத்தில் இருக்கும் உள்ளூர் விவசாயத் துறையைத் தொடர்பு கொள்ளுங்கள்.	
முன்னெச்சரிக்கை நடவடிக்கைகள்	பல்வேறு காரணிகளால், பயிர் வளர்ச்சி மற்றும் மகசூல் பாதிக்கப்படலாம். எனவே, ஆலோசனைக்காக உங்கள் உள்ளூர் விவசாய அலுவலரைச் சந்தித்து பேசுவது பரிந்துரைக்கப்படுகிறது. உயர் தர உரங்கள் மற்றும் பூச்சிக்கொல்லிகள் மட்டுமே பயன்படுத்தப்படுகிறது என்பதை உறுதி செய்யுங்கள். விதைகள், உரங்கள் மற்றும் பூச்சிக்கொல்லிகள் வாங்கிய ரசீதுகளைத் தக்க வைத்துக்கொள்ளுங்கள்.	

ਬੀਨ ਦੀ ਕਾਸ਼ਤ ਦੇ ਤਰੀਕੇ

ਵਧਾਈਆਂ ਹੋਣ! ਤੁਸੀਂ ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਪਰਿਵਾਰ ਵਿੱਚੋਂ ਭੋਲੀਚੋਸ ਬੀਨਜ਼ ਦੀਆਂ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਕਿਸਮਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਇੱਕ ਕਿਸਮ ਚੁਣੀ ਹੈ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਕੰਪਨੀ ਕੋਲ ਉੱਚ ਗੁਣਵੱਤਾ ਵਾਲੇ ਭੋਲੀਚੋਸ ਬੀਨ ਬੀਜ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਦਾ ਭਰਪੂਰ ਤਜਰਬਾ ਹੈ। ਇਹ ਬੀਜ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਵਧ ਰਹੇ ਮੌਸਮਾਂ ਲਈ ਵਾਜਬ ਉੱਚ-ਉਪਜ ਦੇਣ ਵਾਲੀਆਂ ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ ਫਸਲਾਂ ਬਣਾਉਣ ਦੇ ਉਦੇਸ਼ ਨਾਲ ਵਿਆਪਕ ਖੋਜ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਹਨ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਬੀਜ ਦੇ ਉਤਪਾਦਨ ਦੌਰਾਨ ਨਵੀਨਤਮ ਤਕਨਾਲੋਜੀ ਅਪਣਾਉਂਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਕਿ ਇਹ ਗੱਲ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਈ ਜਾ ਸਕੇ ਕਿ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਗੁਣਵੱਤਾ ਵਾਲੇ ਬੀਜ ਮਿਲ ਸਕਣ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਭੋਲੀਚੋਸ ਬੀਨ ਦੇ ਬੀਜ ਉਗਣ ਦੀ ਉੱਚ ਸਮਰੱਥਾ, ਬੂਟਿਆਂ ਦਾ ਮਜ਼ਬੂਤ ਵਿਕਾਸ ਅਤੇ ਰੋਗਾਂ ਅਤੇ ਵਾਤਾਵਰਣ ਦੇ ਤਣਾਅ ਪ੍ਰਤੀ ਚੰਗੀ ਸਹਿਣਸ਼ੀਲਤਾ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਦੇ ਹਨ।
ਚੰਗੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨ ਲਈ ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਖੇਤੀ ਅਭਿਆਸਾਂ ਦਾ ਪਾਲਣ ਕਰੋ। ਹੇਠਾਂ ਕੁਝ ਆਮ ਸੁਝਾਅ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਹਨ, ਇਸ ਲਈ ਅਸੀਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਕੋਈ ਵੀ ਫੈਸਲਾ ਲੈਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹੋ।

ਭੋਲੀਚੋਸ ਕਿਸਮ	ਬਬਲੀ' ਭਵਾਨੀ	ਇੰਡਸ ਡੀਓ-੦੩' ਇੰਡਸ ਏਚਏ-੩' ਐਸਪੀਏਸ ਏਚਏ-੩' ਇੰਡਸ ਏਚਏ-੩										
ਮਿਆਦ	70-100 ਦਿਨ	70-100 ਦਿਨ										
ਖ਼ਰੀਫ਼	ਹਾਂ	ਹਾਂ										
ਰਬੀ	ਹਾਂ	ਹਾਂ										
ਸਪ੍ਰਿੰਗ												
ਸਿੰਚਾਈ ਦਾ ਸਰੋਤ	ਭੂਮੀਗਤ ਪਾਣੀ	ਭੂਮੀਗਤ ਪਾਣੀ										

ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਧਿਆਨ ਦਿਓ ਕਿ ਫਸਲ ਦਾ ਵਾਧਾ ਅਤੇ ਪਰਿਪੱਕਤਾ ਮੌਸਮ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ।

ਸੀਰੀਅਲ ਨੰ.	ਵੇਰਵੇ/ਕਾਰਜ/ਅਭਿਆਸ	ਕੰਮਕਾਜ ਦੇ ਵੇਰਵੇ। ਪ੍ਰਤੀ ਏਕੜ ਇਨਪੁਟ
1	ਖੇਤਰ/ਖੇਤੀ-ਜਲਵਾਯੂ ਖੇਤਰ ਦੀ ਅਨੁਕੂਲਤਾ	ਬੁਸ਼ ਬੀਨ ਹਰ ਮੌਸਮ ਵਿੱਚ ਉਗਾਈ ਜਾ ਸਕਦੀ ਹੈ, ਅਤੇ ਇਹ ਇੱਕ ਅਰਧ-ਸੁੱਕੀ ਫਸਲ ਹੈ।
2	ਜ਼ਮੀਨ / ਮਿੱਟੀ	ਚੰਗੀ ਨਿਕਾਸੀ ਵਾਲੀ ਦੋਮਟ ਜਾਂ ਥੋੜ੍ਹੀ ਭਾਰੀ ਮਿੱਟੀ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਹੈ। ਇਸਨੂੰ ਤੇਜ਼ਾਬੀ ਮਿੱਟੀ ਵਿੱਚ ਸਫਲਤਾਪੂਰਵਕ ਉਗਾਇਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ, ਪਰ ਇਹ ਨਮਕੀਨ ਜਾਂ ਖਾਰੀ ਮਿੱਟੀ ਲਈ ਵਾਜਬ ਨਹੀਂ ਹੈ।
3	ਮੌਸਮ/ਬਿਜਾਈ ਦਾ ਸਮਾਂ	ਬੁਸ਼ ਭੋਲੀਚੋਸ ਸਾਲ ਭਰ ਉਗਾਏ ਜਾ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਪਰ ਪੋਲ ਭੋਲੀਚੋਸ ਫੋਟੋ ਸੰਵੇਦਨਸ਼ੀਲ ਹੁੰਦੇ ਹਨ
4	ਬੀਜ ਦੀ ਦਰ	ਜੂਨ, ਅਕਤੂਬਰ ਅਤੇ ਫਰਵਰੀ ਦੌਰਾਨ ਬੁਸ਼ ਵਾਲੀ ਬਿਜਾਈ ਲਈ 16-20 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ/ਏਕੜ
4	ਮੁੱਖ ਖੇਤ ਦੀ ਤਿਆਰੀ ਅਤੇ ਬਿਜਾਈ	ਮੁੱਖ ਖੇਤ ਨੂੰ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਵਾਹੁਣ ਲਈ ਤਿਆਰ ਕਰੋ। ਸਖ਼ਤ ਮਿੱਟੀ ਵਿੱਚ, ਇੱਕ ਡੂੰਘੀ ਵਾਹੀ ਅਤੇ ਉਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਦੋ-ਤਿੰਨ ਵਾਰ ਖੇਤ ਦੀ ਸਤ੍ਹਾ ਨੂੰ ਢਿੱਲਾ ਕਰਨਾ ਅਤੇ ਪੱਧਰਾ ਕਰਨਾ ਕਾਫ਼ੀ ਹੈ।
5	ਬੂਟਿਆਂ ਵਿਚਕਾਰ ਦੂਰੀ	60 ਸੈਂਟੀਮੀਟਰ ਦੀਆਂ ਵੱਟਾਂ ਵਿੱਚ 15 ਸੈਂਟੀਮੀਟਰ ਦੀ ਦੂਰੀ 'ਤੇ ਬੂਟੇ ਲਗਾਓ।
6	ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਬੀਜ ਦਾ ਉਪਚਾਰ	ਬੀਜਾਂ ਦਾ ਉਪਚਾਰ ਕੈਪਟਨ ਨਾਲ (2g/kg) ਨਾਲ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ।
7	ਜੈਵਿਕ ਅਤੇ ਰਸਾਇਣਕ ਖਾਦ	ਅੰਤਿਮ ਵਾਹੀ ਦੇ ਸਮੇਂ 5-10 ਟਨ/ਹੈਕਟੇਅਰ ਰੂੜੀ ਦੀ ਖਾਦ ਜਾਂ ਖਾਦ ਮੂਲ ਖੁਰਾਕ ਵਜੋਂ ਪਾਓ। ਮਾੜੀ ਮਿੱਟੀ (ਜੈਵਿਕ ਕਾਰਬਨ <0.5%) ਵਿੱਚ, ਸ਼ੁਰੂਆਤੀ ਖੁਰਾਕ ਵਜੋਂ 15-20 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ ਨਾਈਟ੍ਰੋਜਨ/ਹੈਕਟੇਅਰ, 50-60 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ/ਹੈਕਟੇਅਰ ਫਾਸਫੋਰਸ O5 ਅਤੇ 50-60 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ ਫਾਸਫੋਰਸ O2O/ਹੈਕਟੇਅਰ।
8	ਸਿੰਚਾਈ ਦੀ ਸਮਾਂ-ਸਾਰਣੀ	ਅਕਸਰ, ਫਸਲ ਨੂੰ ਮਿੱਟੀ, ਮੌਜੂਦਾ ਮੌਸਮ ਆਦਿ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ 10-15 ਦਿਨਾਂ ਦੇ ਅੰਤਰਾਲ 'ਤੇ 5-6 ਸਿੰਚਾਈਆਂ ਦੀ ਲੋੜ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਫਸਲ ਫੁੱਲ ਨਿਕਲਣ ਅਤੇ ਫਲੀਆਂ ਲੱਗਣ ਤੋਂ 2 ਦਿਨਾਂ ਬਾਅਦ ਤੱਕ ਪਾਣੀ ਦੇ ਵਹਾਅ ਦਾ ਸਾਹਮਣਾ ਕਰ ਸਕਦੀ ਹੈ, ਜਿਸ ਨਾਲ ਝਾੜ ਕਾਫ਼ੀ ਘੱਟ ਜਾਂਦਾ ਹੈ।
9	ਨਦੀਨ ਕੱਢਣਾ/ਅੰਤਰ-ਫਸਲੀ ਵਾਹੁਣਾ	ਵੱਧ ਝਾੜ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨ ਲਈ, ਫਸਲ 25-30 ਦਿਨਾਂ ਦੀ ਉਮਰ ਤੱਕ ਨਦੀਨਾਂ ਤੋਂ ਮੁਕਤ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਹੱਥੀਂ ਛਾਂਟੀ ਅਤੇ ਨਦੀਨਨਾਸ਼ਕਾਂ ਦੋਵਾਂ ਦਾ ਮਿਸ਼ਰਣ ਵਰਤਿਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ।
10	ਪੌਸ਼ਟਿਕ ਤੱਤਾਂ/ਵਿਕਾਸ ਰੈਗੂਲੇਟਰਾਂ ਦਾ ਛਿੜਕਾਅ	ਫੁੱਲ ਆਉਣ ਸਮੇਂ ਸਲਫਰ (ਬੈਨਸਲਫ) 10 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ ਪਾਓ
11	ਕੀਟ ਅਤੇ ਰੋਗ ਨਿਯੰਤਰਣ	ਡਾਊਨੀ ਫ਼ਫ਼ੂੰਦੀ: ਟੈਬੂਕੋਨਾਜ਼ੋਲ 50% + ਟ੍ਰਾਈਫਲੋਕਸੀਸਟ੍ਰੋਬਿਨ 25% WG (0.5 ਤੋਂ 1 ਗ੍ਰਾਮ ਪ੍ਰਤੀ ਲੀਟਰ) ਪਾਊਡਰੀ ਫ਼ਫ਼ੂੰਦੀ: ਟੈਬੂਕੋਨਾਜ਼ੋਲ 50% + ਟ੍ਰਾਈਫਲੋਕਸੀਸਟ੍ਰੋਬਿਨ 25% WG (0.5 ਤੋਂ 1 ਗ੍ਰਾਮ ਪ੍ਰਤੀ ਲੀਟਰ) ਜਾਂ ਕਲੋਰੋਥੈਲੋਨਿਲ 75% WP 1.0 ਮਿ.ਲੀ./ਲੀਟਰ ਫਰੂਟ ਬੋਰਰ: ਐਮਾਮੇਕਟਿਨ ਬੈਂਜੋਏਟ 5% SG (0.5 ਗ੍ਰਾਮ/ਲੀਟਰ) ਖੇਤ ਵਿੱਚ ਬਿਮਾਰੀ ਅਤੇ ਨਿਯੰਤਰਣ ਬਾਰੇ ਵਧੇਰੇ ਜਾਣਕਾਰੀ ਲਈ, ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਧਿਕਾਰੀ ਦੀ ਸਲਾਹ ਲਓ।
12	ਅਨੁਮਾਨਿਤ ਝਾੜ	ਆਦਰਸ਼ ਹਾਲਤਾਂ ਵਿੱਚ, ਫਲੀਆਂ ਦਾ ਝਾੜ 10-12 ਟਨ ਪ੍ਰਤੀ ਹੈਕਟੇਅਰ ਹੁੰਦਾ ਹੈ
13	ਵਾਢੀ ਅਤੇ ਸਟੋਰੇਜ	ਜਦੋਂ ਫਲੀਆਂ ਨਰਮ ਅਤੇ ਹਰੀਆਂ ਹੋਣ, ਆਮ ਤੌਰ 'ਤੇ ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ 60-90 ਦਿਨਾਂ ਬਾਅਦ ਵਾਢੀ ਕਰੋ। ਫਲੀਆਂ ਦੀ ਕਟਾਈ ਹੱਥੀਂ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।
14	ਕੀ ਨਾ ਕਰੋ	
15	ਕੀ ਕਰੋ	
ਨੋਟ	ਇਹ ਜਾਣਕਾਰੀ ਸਿਰਫ਼ ਆਮ ਜਾਣਕਾਰੀ ਲਈ ਹੈ। ਕਿਸੇ ਖਾਸ ਖੇਤਰ ਲਈ ਖਾਸ ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ਾਂ ਲਈ, ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਰਾਜ ਦੇ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਵਿਭਾਗ ਨਾਲ ਸੰਪਰਕ ਕਰੋ।	
ਸਾਵਧਾਨੀਆਂ	ਕਈ ਕਾਰਨਾਂ ਕਰਕੇ ਫਸਲਾਂ ਦਾ ਵਾਧਾ ਅਤੇ ਝਾੜ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ, ਸਲਾਹ ਲਈ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਧਿਕਾਰੀ ਨਾਲ ਗੱਲ ਕਰਨ ਦੀ ਸਲਾਹ ਦਿੱਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਓ ਕਿ ਸਿਰਫ਼ ਚੰਗੀ ਕੁਆਲਿਟੀ ਦੀਆਂ ਖਾਦਾਂ ਅਤੇ	

ডোলিকোস - চাষের নিয়মাবলি

অভিনন্দন! আপনি ক্রিস্টাল পরিবারের অন্যতম উৎকৃষ্ট ডোলিকোসের বীজগুলি নির্বাচন করেছেন। উচ্চমানের ডোলিকোস বীজগুলি উৎপাদনে ক্রিস্টালের নির্ভরযোগ্য অভিজ্ঞতা আছে। এই বীজগুলি ব্যাপক গবেষণার ফলাফল, যার উদ্দেশ্য বিভিন্ন কৃষি জলবায়ুর উপযোগী, উচ্চফলনশীল হাইব্রিড ফসলের উন্নয়ন। কৃষকেরা যাতে সর্বোচ্চ মানের বীজগুলি পান তা নিশ্চিত করতে উৎপাদনের সময় ক্রিস্টাল সর্বাধুনিক প্রযুক্তিগুলি গ্রহণ করে। ক্রিস্টালের ডোলিকোস বীজগুলি জীবজ এবং অজীবজ প্রতিকূলতার প্রতি সহনশীলতা সহ উৎকৃষ্ট অঙ্কুরোদ্গম এবং শক্তিশালী উদ্ভিদের বিকাশ প্রদান করে।
অনুগ্রহ করে চমৎকার ফলন পেতে সর্বোত্তম কৃষি পদ্ধতি গ্রহণ করুন। নিচে কিছু সাধারণ পরামর্শ দেওয়া হল, তাই আমরা আপনাকে বলছি অনুগ্রহ করে কোনো সিদ্ধান্ত নেওয়ার আগে পরামর্শগুলি পড়ুন।

হাইব্রিড ডোলিকোস	**ববলী, ভভানী**	**ইংডস ডীও-০৩, ইংডস এচএ-৩, এসপীএস এচএ-৩, ইংডস এচএ-৩**										
সময়সীমা	70-100 দিন	70-100 দিন										
খরিফ	হ্যাঁ	হ্যাঁ										
রবি	হ্যাঁ	হ্যাঁ										
বসন্ত												
সেচের উৎস	ভূগর্ভ জল	ভূগর্ভ জল										

অনুগ্রহ করে মনে রাখবেন যে আবহাওয়ার পরিস্থিতি অনুযায়ী ফসলের বিকাশ ও পক্কতা আসার সময় ভিন্ন হতে পারে

ক্রমিক নম্বর	**বিস্তারিত/ অপারেশন/ পদ্ধতি**	**প্রতি একর ইনপুটে অপারেশনের বিশদ**
1	এলাকার উপযোগিতা/ কৃষি-জলবায়ু জোন	বুশ বিন সব মরশুমেই চাষ করা যায় এবং এটি একটি অর্ধশুষ্ক ফসল।
2	জমি / মাটি	ভালোভাবে নিষ্কাশিত দোঁআশ মাটি অথবা সামান্য ভারী মাটি সবচেয়ে উপযুক্ত। এটি অম্লীয় মাটিতে সফলভাবে বৃদ্ধি পেতে পারে কিন্তু লবণাক্ত অথবা ক্ষারীয় মাটিতে নয়।
3	ঋতু/বপনের সময়	বুশ ডোলিকোস সারাবছর চাষ করা যায়। কিন্তু পোল ডোলিকোস আলোর সংবেদনশীল
4	বীজের হার	বুশ প্রজাতির বপনের জন্য জুন, অক্টোবর এবং ফেব্রুয়ারিতে 16-20কেজি/একর বীজ ব্যবহার করা হয়
4	মূল ক্ষেতের প্রস্তুতি এবং রোপণ	মূল ক্ষেতটি সূক্ষ্ম নরম ম্যাচ হিসাবে প্রস্তুত করুন। কাঠন ম্যাচতে, একবার গভীর জোত দেওয়া এবং এর পরে দুই অথবা তিনবার হ্যারো করা এবং প্ল্যাঙ্কিং করা যথেষ্ট।
5	ফাঁক	60সেন্টিমিটার রিজে 15সেন্টিমিটার দূরে গাছ লাগান।
6	বপনের আগে বীজের পরিচর্যা	বীজকে ক্যাপটান দিয়ে প্রক্রিয়াজাত করা (2গ্রাম/কেজি)
7	জৈব এবং রাসায়নিক সার	FYM/কম্পোস্ট প্রয়োগ করুন - শেষ জোত দেওয়ার সময় বেসাল হিসেবে 5 - 10 t/হেক্টর। দুর্বল মাটিতে প্রারম্ভিক ডোজ হিসেবে 15 - 20 কেজি N/হেক্টর (অর্গানিক কার্বন<0.5%), 50 - 60 কেজি/হেক্টর P2O5 এবং 50 - 60 কেজি K2O/হেক্টর।
8	সেচের সময়সূচী	সাধারণত, ফসলের জন্য মাটি, বর্তমান আবহাওয়া ইত্যাদির উপর নির্ভর করে 10-15 দিনের অন্তর 5 - 6 বার সেচ প্রয়োজন। ফুলে এবং পরবর্তীতে ফল গঠনের সময় ফসল 2 দিন পর্যন্ত বন্যার সহনশীলতা রাখে, তবে এর পরে উৎপাদন উল্লেখযোগ্যভাবে কমে যায়।
9	আগাছা নিবারণ/ মধ্যশস্য চাষ	উচ্চ ফলনের জন্য ফসল 25 থেকে 30 দিনের পর্যায় পর্যন্ত আগাছামুক্ত থাকা উচিৎ। হাতরে আগাছা নিবারণ এবং হের্বিসাইডের সংমিশ্রণ ব্যবহার করা যেতে পারে।
10	ক্ষুদ্রপুষ্টি/বিকাশ নিয়ন্ত্রক ছিটান	ফুল ফোটার সময় সালফার (বেনসালফ) 10 কেজি প্রয়োগ করুন
11	পোকা এবং রোগ নিয়ন্ত্রণ	ডাউনি মিলডিউ: টেবুকোনাজল 50% + ট্রাইফ্লক্সিস্ট্রোবিন 25% WG (0.5 থেকে 1 গ্রাম প্রতি লিটার) পাউডারি মিলডিউ: টেবুকোনাজল 50% + ট্রাইফ্লক্সিস্ট্রোবিন 25% WG (0.5 থেকে 1 গ্রাম প্রতি লিটার) অথবা ক্লোরোথালোনিল 75% WP 1.0 মিলিলিটার/লিটার ফল বোরর: ইমামেকটিন বেনজোয়েট 5% SG (0.5 গ্রাম/লিটার) ক্ষেতের রোগ এবং কীট নিয়ন্ত্রণ সম্পর্কে আরও তথ্যের জন্য, অনুগ্রহ করে আপনার স্থানীয় কৃষি অফিসারদের সঙ্গে পরামর্শ করুন।
12	প্রত্যাশিত ফলন	বুশ ডোলিকোস: 10-12 টন/হেক্টর, আদর্শ পরিস্থিতিতে
13	ফসল কাটা এবং সংরক্ষণ	সাধারণত বপনের 60–90 দিন পর, ফলগুলো যখন নরম এবং সবুজ হয় তখন ফসল কাটুন। ফলগুলো হাত দিয়ে তোলা হয়।
14	করবেন না	
15	করবেন	
দ্রষ্টব্য	উপরের তথ্যটি একটি সাধারণ পরামর্শ। নির্দিষ্ট এলাকার জন্য বিশেষ সুপারিশের জন্য, অনুগ্রহ করে স্থানীয় রাজ্য কৃষি দপ্তরের সঙ্গে যোগাযোগ করুন।	
সতর্কতা	ফসলের বিকাশ এবং ফলন বিভিন্ন উপাদানের দ্বারা প্রভাবিত হতে পারে। অতএব, পরামর্শের জন্য আপনার স্থানীয় কৃষি অফিসারের সঙ্গে যোগাযোগ করা সুপারিশ করা হচ্ছে। নিশ্চিত করুন যে শুধুমাত্র উচ্চমানের সার এবং কীটনাশক ব্যবহার করা হচ্ছে। বীজ, সার এবং কোটনাশক ক্রয় করার রশিদ রাখুন।	

CRYSTAL
Inspiring Growth

I&B Seeds
INDUS SEEDS

ଶିମ୍-ଉନ୍ନତ କୃଷି ପ୍ରଣାଳୀ

ଅଭିନନ୍ଦନ! ଆପଣ କ୍ରିଷ୍ଟାଲ ପରିବାରର ସର୍ବୋତ୍ତମ ଶିମ୍ ମଞ୍ଜି ମଧ୍ୟରୁ ଗୋଟିଏ ବାଛିଛନ୍ତି। ଉତ୍ତମାନର ଶିମ୍ ମଞ୍ଜି ଉତ୍ପାଦନ କରିବାରେ କ୍ରିଷ୍ଟାଲର ଦୃଢ଼ ଅଭିଜ୍ଞତା ରହିଛି। ଏହି ବିହନଗୁଡ଼ିକ ବ୍ୟାପକ ଗବେଷଣାର ଫଳାଫଳ, ଯାହାର ଲକ୍ଷ୍ୟ ବିଭିନ୍ନ କୃଷି ଜଳବାୟୁ ପାଇଁ ଉପଯୁକ୍ତ ଉଚ୍ଚ-ଅମଳକ୍ଷମ ହାଇବ୍ରିଡ୍ ଫସଲ ବିକଶିତ କରିବା ଅଟେ। ଚାଷୀମାନେ ସର୍ବୋଚ୍ଚ ଗୁଣବତ୍ତାର ବିହନ ପାଇବା ନିଶ୍ଚିତ କରିବା ପାଇଁ କ୍ରିଷ୍ଟାଲ୍ ବିହନ ଉତ୍ପାଦନ ସମୟରେ ନୂତନତମ ପ୍ରଯୁକ୍ତିବିଦ୍ୟା ଗ୍ରହଣ କରେ। କ୍ରିଷ୍ଟାଲର ଶିମ୍ ମଞ୍ଜି ଜୈବ ଏବଂ ଅଜୈବିକ ଚାପ ପ୍ରତି ସହନଶୀଳତା ସହିତ ଉତ୍କୃଷ୍ଟ ଅଙ୍କୁରୋଦଗମ ଏବଂ ଉନ୍ନତ ଶକ୍ତି ପ୍ରଦାନ କରିଥାଏ।
ଉତ୍କୃଷ୍ଟ ଅମଳ ପାଇବା ପାଇଁ ଦୟାକରି ସର୍ବୋତ୍ତମ କୃଷି ପଦ୍ଧତି ଗ୍ରହଣ କରନ୍ତୁ। ନିମ୍ନଲିଖିତ ସାଧାରଣ ସୁପାରିଶଗୁଡ଼ିକ ପ୍ରଦାନ କରାଯାଇଛି, ତେଣୁ କୌଣସି ନିଷ୍ପତ୍ତି ନେବା ପୂର୍ବରୁ ଏହି ସୁପାରିଶଗୁଡ଼ିକୁ ପଢ଼ି ନେବାକୁ ଆମେ ଆପଣଙ୍କୁ ଅନୁରୋଧ କରୁଛୁ।

ଶିମ୍ ର ପ୍ରକାର	ବବଲି, ଭବାନୀ	ଇଣ୍ଡସ୍ DO-03, ଇଣ୍ଡସ୍ HA-3, SPS HA-3, ଇଣ୍ଡସ୍ HA-3											
ଅବଧି	70-100 ଦିନ	70-100 ଦିନ											
ଖରିଫ	ହଁ	ହଁ											
ରବି	ହଁ	ହଁ											
ବସନ୍ତ													
ଜଳସେଚନର ଉତ୍ସ	ଭୂତଳ ଜଳ	ଭୂତଳ ଜଳ											

ଦୟାକରି ଧ୍ୟାନ ଦିଅନ୍ତୁ ଯେ ପାଣିପାଗ ପରିସ୍ଥିତି ଅନୁସାରେ ଫସଲର ବୃଦ୍ଧି ଏବଂ ପରିପକ୍ୱତା ଭିନ୍ନ ହୋଇପାରେ।

ଭୂମିକ ସଂଖ୍ୟା	ବିବରଣୀ / କାର୍ଯ୍ୟ / ଅଭ୍ୟାସ	କାର୍ଯ୍ୟର ବିବରଣୀ। ପ୍ରତି ଏକର ଇନପୁଟ
1	କ୍ଷେତ୍ର/କୃଷି-ଜଳବାୟୁ କ୍ଷେତ୍ରର ଉପଯୁକ୍ତତା	ବୁଶ୍ ବିନସ ସବୁ ଋତୁରେ ଚାଷ କରାଯାଇପାରିବ, ଏବଂ ଏହା ଏକ ଅର୍ଦ୍ଧ-ଶୁଷ୍କ ଫସଲ ଅଟେ।
2	ଭୂମି / ମାଟି	ଭଲ ଭାବେ ଜଳ ନିଷ୍କାସନ ହେଉଥିବା ଦୋଆଁଶ କିମ୍ବା ସାମାନ୍ୟ ଭାରୀ ମୃତ୍ତିକା ସବୁଠାରୁ ଉପଯୁକ୍ତ। ଏହା ଅମ୍ଳୀୟ ମାଟିରେ ସଫଳତାର ସହ ବଢ଼ିପାରେ, କିନ୍ତୁ ଲବଣାକ୍ତ/କ୍ଷାରୀୟ ମାଟିରେ ନୁହେଁ।
3	ଋତୁ/ବୁଣିବା ସମୟ	ବୁଶ୍ ଡୋଲିଚୋସ୍ ବର୍ଷସାରା ଚାଷ କରାଯାଇପାରିବ। କିନ୍ତୁ ପୋଲ ଶିମ୍ ଫଟୋ ସମ୍ବେଦନଶୀଳ।
4	ମଞ୍ଜି ଦର	ଜୁନ୍, ଅକ୍ଟୋବର ଏବଂ ଫେବୃଆରୀରେ ବୁଶ୍ ପ୍ରକାର ବୁଣିବା ପାଇଁ 16-20 କେଜି/ଏକର
4	ମୁଖ୍ୟ କ୍ଷେତ ପ୍ରସ୍ତୁତି ଏବଂ ରୋପଣ	ମୁଖ୍ୟ କ୍ଷେତ୍ରକୁ ଏକ ସୂକ୍ଷ୍ମ ଚାଷ ପାଇଁ ପ୍ରସ୍ତୁତ କରନ୍ତୁ। କଠିନ ମାଟିରେ, ଗୋଟିଏ ଗଭୀର ହଳ ପରେ ଦୁଇ କିମ୍ବା ତିନୋଟି ହଲ କରିବା ଏବଂ ପ୍ଲାଙ୍କିଙ୍ଗ୍ ଯଥେଷ୍ଟ
5	ବ୍ୟବଧାନ	15 ସେ. ମି. ବ୍ୟବଧାନରେ 60 ସେ. ମି. ପାହାଡମାଲାରେ/ଆଡ଼ିରେ ଗଛ ଲଗାନ୍ତୁ।
6	ବୁଣିବା ପୂର୍ବରୁ ବିହନ ଉପଚାର	ବୀଜକୁ କ୍ୟାପଟାନ (2 ଗ୍ରାମ/କେଜି) ସହିତ ଚିକିତ୍ସା କରାଯାଏ।
7	ଖତ ଏବଂ ସାର	ଏଫ୍. ୱାଇ. ଏମ୍./କମ୍ପୋଷ୍ଟ-5-10 ଟନ୍/ହେକ୍ଟରକୁ ଶେଷ ହଳ ସହିତ ମୂଳ ଭାବେ ପ୍ରୟୋଗ କରନ୍ତୁ। 15-20 kg N/ହେକ୍ଟର ଷ୍ଟାର୍ଟର୍ ମାତ୍ରାରେ ଖରାପ ମୃତ୍ତିକାରେ (ଜୈବିକ ଅଙ୍ଗାରକାମ୍ଳ < 0.5%), 50-60 କିଗ୍ରା/ହେକ୍ଟର P2O5 ଏବଂ 50-60 kg K2O/ହେକ୍ଟର ।
8	ଜଳସେଚନ ସମୟସୂଚୀ	ସାଧାରଣତଃ, ମୃତ୍ତିକା, ବର୍ତ୍ତମାନର ପାଣିପାଗ ସ୍ଥିତି ଇତ୍ୟାଦି ଉପରେ ନିର୍ଭର କରି 10-15 ଦିନର ବ୍ୟବଧାନରେ ଫସଲ ପାଇଁ 5-6ଟି ଜଳସେଚନ ଆବଶ୍ୟକ ହୋଇଥାଏ। ଫସଲ ଫୁଲ ଏବଂ ଶୁଖିଲା ସ୍ଥାନରେ 2 ଦିନ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ବନ୍ୟା ସହ୍ୟ କରିପାରେ, ଉତ୍ପାଦନରେ ଏକ ଉଲ୍ଲେଖନୀୟ ହ୍ରାସ ହୋଇଥାଏ।
9	ଅନାବନା ଗଛ କାଟିବା/ଆନ୍ତଃ ଚାଷ	ଅଧିକ ଉତ୍ପାଦନ ପାଇଁ, ଫସଲ 25 ରୁ 30 ଦିନର ଫସଲ ପର୍ଯ୍ୟାୟ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଅନାବନା ଗଛରୁ ମୁକ୍ତ ରହିବା ଉଚିତ୍। ହସ୍ତଚାଳିତ ନିରାମୟ ଏବଂ ତୃଣନାଶକ ଔଷଧର ମିଶ୍ରଣ ବ୍ୟବହାର କରାଯାଇପାରେ।
10	ସୂକ୍ଷ୍ମ ପୋଷକ ତତ୍ତ୍ୱ/ବୃଦ୍ଧି ନିୟାମକ ସିଞ୍ଚନ	ଫୁଲ ଆସିବା ସମୟରେ 10 କେଜି ସଲ୍ଫର (ବେନ୍ଟୁଲ୍ଫ୍) ଲଗାନ୍ତୁ।
11	ରୋଗ ଓ କୀଟପତଙ୍ଗ ନିୟନ୍ତ୍ରଣ	ଡାଉନି ମିଲଡ୍ୟୁ: ଟେବୁକୋନାଜୋଲ୍ 50% + ଟ୍ରାଇଫ୍ଲୋକ୍ସିସ୍ଟ୍ରୋବିନ୍ 25% WG (ଲିଟର ପିଛା 0.5 ରୁ 1 ଗ୍ରାମ) ପାଉଡର ମିଲଡ୍ୟୁ: ଟେବୁକୋନାଜୋଲ 50% + ଟ୍ରାଇଫ୍ଲୋକ୍ସିସ୍ଟ୍ରୋବିନ 25% WG (ଲିଟର ପିଛା 0.5 ରୁ 1 ଗ୍ରାମ) କିମ୍ବା କ୍ଲୋରୋଥାଲୋନିଲ 75% WP 1.0 ମିଲି/ଲିଟର ଫୁରୁଟ୍ ବୋରୋର/ଫଳ ଛେଦକ: ଏମାମେକ୍ଟିନ୍ ବେଞ୍ଜୋଏଟ୍ 5% ଏସଜି(SG) (0.5 ଗ୍ରାମ/ଲିଟର) କ୍ଷେତରେ ରୋଗ ଏବଂ କୀଟପତଙ୍ଗ ନିୟନ୍ତ୍ରଣ ବିଷୟରେ ଅଧିକ ସୂଚନା ପାଇଁ, ଦୟାକରି ଆପଣଙ୍କର ସ୍ଥାନୀୟ କୃଷି ଅଧିକାରୀଙ୍କ ସହିତ ପରାମର୍ଶ କରନ୍ତୁ।
12	ଆଶାକରାଯାଇଥିବା ଲାଭ	ବୁଶ୍ ଡୋଲିଚୋସ୍: 10-12 ଟନ୍/ହେକ୍ଟର, ଆଦର୍ଶ ପରିସ୍ଥିତିରେ
13	ଅମଳ ଏବଂ ସଂରକ୍ଷଣ	ସାଧାରଣତଃ ବୁଣିବା ପରେ 60-90 ଦିନ ପରେ,କୋମଳ ଏବଂ ସବୁଜ ହେବା ପରେ ଅମଳ କରନ୍ତୁ। ଫଳଗୁଡିକର ହାତ ରେ ତୋଳାଯାଏ ।
14	କରନ୍ତୁ ନାହିଁ	
15	କରନ୍ତୁ	
ଟିପ୍ପଣୀ	ଉପରୋକ୍ତ ସୂଚନା ଏକ ସାଧାରଣ ପରାମର୍ଶ ଅଟେ। ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ଅଞ୍ଚଳର ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ସୁପାରିଶ ପାଇଁ, ଦୟାକରି ଆପଣଙ୍କ ସ୍ଥାନୀୟ ରାଜ୍ୟ କୃଷି ବିଭାଗ ସହିତ ଯୋଗାଯୋଗ କରନ୍ତୁ।	
ସତର୍କତା	ଫସଲର ବୃଦ୍ଧି ଏବଂ ଅମଳ ବିଭିନ୍ନ କାରଣ ଦ୍ୱାରା ପ୍ରଭାବିତ ହୋଇପାରେ। ତେଣୁ, ପରାମର୍ଶ ପାଇଁ ଆପଣଙ୍କ ସ୍ଥାନୀୟ କୃଷି ଅଧିକାରୀଙ୍କ ସହିତ ପରାମର୍ଶ କରିବାକୁ ସୁପାରିଶ କରାଯାଉଛି। ନିଶ୍ଚିତ କରନ୍ତୁ ଯେ କେବଳ ଉତ୍ତମାନର ସାର ଏବଂ କୀଟନାଶକ ବ୍ୟବହାର କରାଯାଉଛି। ବିହନ, ସାର ଏବଂ କୀଟନାଶକ କ୍ରୟ କରିବାର ରସିଦ ଆପଣଙ୍କ ପାଖରେ ରଖନ୍ତୁ।	

CRYSTAL
Inspiring Growth

I&B Seeds
INDUS SEEDS

ডলিচোছ- অনুশীলনৰ পেকেট

অভিনন্দন! আপুনি ক্রিষ্টেল পৰিয়ালৰ শ্রেষ্ঠতম ডলিচোছ বীনৰ বীজ এটা বাচি লৈছে। উচ্চ মানৰ ডলিচোছ বীন বীজ উৎপাদনত ক্রিষ্টেলৰ যথেষ্ট অভিজ্ঞতা আছে। এই বীজবোৰ হৈছে বিস্তৃত গৱেষণাৰ ফলাফল, যাৰ লক্ষ্য হৈছে বিভিন্ন কৃষি জলবায়ুৰ বাবে উপযুক্ত উচ্চ-উৎপাদনশীল হাইব্রিড শস্য বিকাশ কৰা। বীজ উৎপাদনৰ সময়ত ক্রিষ্টেলে শেহতীয়া প্রযুক্তি গ্রহণ কৰে যাতে কৃষকসকলে সর্বোচ্চ মানৰ বীজ লাভ কৰে। ক্রিষ্টেলৰ ডলিচোছ বীনৰ বীজবোৰে জৈৱিক আৰু অজৈৱিক চাপৰ প্রতি সহনশীলতাৰ সৈতে উৎকৃষ্ট অংকুৰণ আৰু উন্নত শক্তি প্রদান কৰে।
অনুগ্রহ কৰি উৎকৃষ্ট কৃষি পদ্ধতি গ্রহণ কৰি উৎকৃষ্ট উৎপাদন লাভ কৰক। তলত দিয়া সাধাৰণ পৰামর্শসমূহ প্রদান কৰা হৈছে, গতিকে আমি আপোনাক অনুৰোধ কৰোঁ যে আপুনি কোনো সিদ্ধান্ত লোৱাৰ আগতে এই পৰামর্শসমূহ পঢ়ক।

ডলিচোছৰ জাত	ৰবলী, ভভানী	ইংডস ডীও-০৩, ইংডস এচএ-৩, এসপীএস এচএ-৩, ইংডস এচএ-৩			
সময়কাল	70-100 দিন	70-100 দিন			
খাৰিফ	হয়	হয়			
ৰবি	হয়	হয়			
বসন্ত					
জলসিঞ্চনৰ উ	ভূগর্ভস্থ পানী	ভূগর্ভস্থ পানী			

অনুগ্রহ কৰি মন কৰিব যে বতৰ অনুসৰি শস্যৰ বৃদ্ধি আৰু পৰিপক্কতা ভিন্ন হ'ব পাৰে।

ক্রমিক নম্বৰ	সবিশেষ/কার্য্য/অনুশীলন	কার্যৰ বিৱৰণ, প্রতি একৰ ইনপুট
1	অঞ্চলটোৰ উপযোগীতা/ কৃষি জলবায়ু অঞ্চল	বুহু বিন সকলো ঋতুতে খেতি কৰিব পাৰি, আৰু ই অর্ধশুষ্ক শস্য।
2	ভূমি / মাটি	ভালদৰে পানী ওলাই যোৱা লোম বা সামান্য গধুৰ মাটি সর্বোত্তম। অম্লযুক্ত মাটিত ই সফলতাৰে বৃদ্ধি হ'ব পাৰে কিন্তু লৱণযুক্ত/ক্ষাৰকীয় মাটিত নহয়।
3	ঋতু/বীজ সিঁচাৰ সময়	বুহু ডলিচোছৰ খেতি বছৰজুৰি কৰিব পাৰি। কিন্তু খুঁটা ডলিচোছ ফটো সংবেদনশীল
4	বীজৰ হাৰ	জুন, অক্টোবৰ আৰু ফেব্রুৱাৰী মাহত জোপোহাৰ ধৰণৰ বীজ সিঁচাৰ বাবে 16-20 কেজি/ একৰ
4	মূল পথাৰৰ প্রস্তুতি আৰু ৰোপণ	মূল পথাৰখন ভালকৈ চহাবৰ বাবে সাজু কৰক। কঠিন মাটিত, এটা গভীৰ হাল আৰু তাৰ পিছত দুটা বা তিনিটা চহোৱা আৰু প্লাঙ্কিং যথেষ্ট।
5	ব্যৱধান	15 চে. মি. দূৰত্বত 60 ছেঃমিঃ পাহাৰত ৰোপণ কৰক।
6	বীজ সিঁচাৰ আগতে বীজৰ শোধনীকৰণ	বীজ কেপ্তান (1গ্রাম/কেজিৰ দ্বাৰা শোধন কৰা হয়।
7	সাৰ আৰু সাকৰা পদার্থ	FYM/সাৰ প্রয়োগ কৰক-5-10 টন প্রতি হেক্টৰ অন্তিম হাল বোৱাৰ সৈতে মূল হিচাপে। দুখীয়া মাটিত (জৈৱিক কার্বন<0.5%) আৰম্ভণিৰ মাত্রা হিচাপে 15 - 20 কেজি N/হেক্টৰ, 50 - 60 কেজি/হেক্টৰ P2O5 আৰু 50 - 60 কেজি K2O/হেক্টৰ।
8	জলসিঞ্চনৰ সময়সূচী	সাধাৰণতে, শস্যৰ বাবে মাটি, বর্তমানৰ বতৰৰ অৱস্থা আদিৰ ওপৰত নির্ভৰ কৰি 10-15 দিনৰ ব্যৱধানত 5-6টা জলসিঞ্চনৰ প্রয়োজন হয়। শস্যবোৰে ফুল ফুলাৰ সময়ত 2 দিনলৈকে বানপানী সহ্য কৰিব পাৰে আৰু তাৰ পিছত ফলৰ উৎপাদনত লক্ষণীয় হ্রাস পায়।
9	অপতৃণ/আন্তঃখেতি	অধিক উৎপাদনৰ বাবে শস্য 25ৰ পৰা 30 দিনৰ শস্য পর্যায়লৈকে অপতৃণ মুক্ত হ 'ব লাগে। হাতেৰে অপতৃণ আৰু ঘাঁহনিনাশকৰ সংমিশ্রণ ব্যৱহাৰ কৰিব পাৰি।
10	ক্ষুদ্র পুষ্টি/বৃদ্ধি নিয়ন্ত্রক স্প্রে	ফুল ফুলাৰ সময়ত ছালফাৰ (বেন্সালফ) 10 কেজি প্রয়োগ কৰক
11	কীট-পতংগ আৰু ৰোগ নিয়ন্ত্রণ	ডাউনী মাইল্ডু: টেবুক'নাজ'ল 50% + ট্রাইফ্লক্সিষ্ট্রবিন 25% WG (প্রতি লিটাৰত 0.5ৰ পৰা ১ গ্রাম) গুড়ি ভেঁকুৰ: টেবুক'নাজ'ল 50% + ট্রাইফ্লক্সিষ্ট্র'বিন 25% WG (প্রতি লিটাৰত 0.5ৰ পৰা 1 গ্রাম)বা ক্লু'ৰ'থেল'নিল 75% WP 1.0 মিলি/লিটাৰ ফলৰ ব'ৰ: ইমামেক্টিন বেনজ'ৱেট 5% SG (0.5 গ্রাম/লিটাৰ) পথাৰত ৰোগ নিয়ন্ত্রণ আৰু ৰোগৰ বিষয়ে অধিক তথ্যৰ বাবে অনুগ্রহ কৰি আপোনাৰ স্থানীয় কৃষি বিষয়াৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক।
12	প্রত্যাশিত উৎপাদন	বুহু ডলিচ'ছ: 10-12 টন/হেক্টৰ, আদর্শ পৰিস্থিতিত
13	চপোৱা আৰু সংৰক্ষণ	গুটিবোৰ কোমল আৰু সেউজীয়া হ'লে চপোৱা হয়, সাধাৰণতে বীজ সিঁচাৰ 60-90 দিনৰ পিছত। পডবোৰ হাতেৰে ছিঙি লোৱা হয়।
14	নকৰিবা	
15	কৰিবা	
টোকা	ওপৰৰ তথ্যসমূহ সাধাৰণ পৰামর্শৰ বাবেহে দিয়া হৈছে। বিশেষ অঞ্চলৰ সৈতে সম্পর্কিত বিশেষ পৰামর্শৰ বাবে, অনুগ্রহ কৰি আপোনাৰ স্থানীয় ৰাজ্যিক কৃষি বিভাগৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক।	
সাৱধানতা	শস্যৰ বৃদ্ধি আৰু উৎপাদন বিভিন্ন কাৰকৰ দ্বাৰা প্রভাৱিত হ'ব পাৰে। সেয়েহে, পৰামর্শৰ বাবে আপোনাৰ স্থানীয় কৃষি বিষয়াৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক। নিশ্চিত কৰক যে কেৱল উচ্চ মানৰ সাৰ আৰু কীটনাশক ব্যৱহাৰ কৰা হয়। বীজ, সাৰ আৰু কীটনাশক ঔষধ ক্রয় কৰাৰ বিলবোৰ ৰাখক।	